सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 9 सितम्बर , 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-12 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

बांग्लादेश: 'दूसरी आज़ादी' का कट्टर और धर्मांध सवेरा?

श्रुति शर्मा/ अंकित राज

राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहा बांग्लादेश अब धार्मिक कट्टरता की चपेट में भी आ रहा है। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी सरकार के पतन के बाद सिर्फ राजनीतिक हमलों का सिलसिला नहीं शुरू हुआ है। चपेट में वो लोग भी आ रहे हैं, जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के साथ जीवन बता रहे थे। मसलन, ढाका 19 अगस्त को प्रोफेसर अब्दुल बशीर को छात्रों द्वारा इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। छात्रों का आरोप था कि उन्होंने रमजान के दौरान विश्वविद्यालय में कुरान नहीं पढ़ने दी थी और अरबी विभाग के अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। छात्रों ने इसकी रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर डाली। मुस्लिम शिक्षकों को धर्मनिरपेक्ष या अवामी लीग का करीबी होने की वजह से खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, वहीं अल्पसंख्यकों को भी निशाने पर लिया जा रहा है। 'बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल' की छात्र शाखा के अनुसार, अब तक देश भर में गैर मुस्लिम 49 शिक्षकों को मजबूरन इस्तीफा देना पड़ा है।

आरक्षण को लेकर शुरू हुए छात्र आंदोलन ने जब शेख हसीना को सत्ता से उखाड़ फेंका और अंतरिम सरकार की कमान नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस को सौंप दी, तो उन्होंने कहा- बांग्लादेश को दूसरी आज़ादी मिली है। लेकिन 'दूसरी आज़ादी' के असल लाभार्थी तमाम कट्टरपंथी संगठन बन रहे हैं। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 28 अगस्त को जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश, उसकी छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिबिर और जमात-ए-इस्लामी से संबंधित सभी संगठनों से प्रतिबंध हटा दिया। जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश की स्थापना 26 अगस्त, 1941 को लाहौर में हुई थी। साल 2013 में हाईकोर्ट (बांग्लादेश) के न्यायाधीशों ने पाया था कि पार्टी का चार्टर बांग्लादेश के धर्मनिरपेक्ष संविधान का उल्लंघन करता है। अदालत ने पार्टी के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया था। वर्तमान अस्थिरता के बीच बांग्लादेश एक और चुनौती का सामना कर रहा है, जिसका नाम है हिज्ब उत तहरीर। इस्लामिक स्टेटस (आईएस) से प्रेरित इस कट्टरपंथी संगठन का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है।

9 अगस्त को प्रतिबंधित हिज्ब उत तहरीर के समर्थकों ने ढाका में एक रैली आयोजित की। उनकी मांग है कि शरिया कानून के आधार पर बांग्लादेश में खलीफा की स्थापना हो। साथ ही विदेशी कंपनियों को देश से बाहर निकालने और गैर-मुस्लिम राज्यों के साथ रणनीतिक समझौतों को रद्द किया जाए। यह संगठन बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में शरिया लागू करने की इच्छा रखता है। संगठन की इसी विचारधारा के कारण अक्टूबर 2009 में बांग्लादेश में इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हिज्ब उत तहरीर पर अरब देशों के भी कई देशों ने प्रतिबंधित लगा रखा है। लेकिन आज इसके समर्थकों का हौसला बुलंद है। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के प्रमुख मुफ्ती जशीमुद्दीन रहमानी को 26 अगस्त की सुबह गाजीपुर के काशिमपुर जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया। रहमानी को राजीब नाम के एक ब्लॉगर की हत्या के मामले में साल 2013 में सजा सुनाई गई थी। ब्रिगेडियर जनरल अब्दुल्लाहिल अमान आज़मी को अंतरिम सरकार द्वारा देश की बागडोर संभालने के पहले ही रिहा कर दिया गया था। उनके कथित तौर पर पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। आज़मी पूर्व जमात-ए-इस्लामी प्रमुख, गुलाम आज़म के बेटे हैं, जिसने साल 1971 में मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के साथ सहयोग किया था। गुलाम आजम ने कहा था कि बांग्लादेश की आज़ादी का आंदोलन भारत द्वारा रची गई एक साजिश थी।

5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से ही पूरे देश में कई मूर्तियां तोड़ी गई हैं। नष्ट की गई मूर्तियों में से ज़्यादातर बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की थीं और 1971 के मुक्ति संग्राम की याद में बनाई गई थीं। इसके अलावा ऐसी मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जो आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए जान गंवाने वाले सिपाहियों की याद में निर्मित हुई थीं। मसलन, 2016 के एक आतंकवादी हमले में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों की याद में बनाई गई 'दीप्तो शोपोथ' मूर्ति को 29 अगस्त को ध्वस्त कर दिया गया, और उसकी जगह हिज्ब उत-तहरीर का पोस्टर लगा दिया गया।

देश के संग्रहालयों को भी लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हालत इतनी खराब है कि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम ने चिंता व्यक्त करते हुए बांग्लादेश के लोगों से अपने अमूल्य संग्रहालयों को बचाने का अनुरोध किया है। इसी बीच, कट्टरपंथी उपदेशक डॉ. जाकिर नाइक ने यह घोषणा की है कि उनके टीवी चैनल-पीस टीवी बांग्ला का प्रसारण जल्द ही बांग्लादेश में फिर से शुरू होने वाला है। बांग्लादेश और भारत में पीस टीवी के प्रसारण को केबल ऑपरेटरों द्वारा बंद कर दिया गया था। ध्यान रहे जुलाई 2016 में ढाका में होली आर्टिसन बेकरी पर हुए हमले के बाद यह आरोप लगाया गया था कि हमलावरों में से एक ज़ाकिर नाइक से प्रेरित था, जिसके कारण पीस टीवी के प्रसारण को बांग्लादेश में रोक दिया गया था।

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से पत्रकारों के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं। 29 अगस्त को एक बांग्लादेशी वकील ने मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोप में हसीना और 27 प्रमुख पत्रकारों सहित 52 लोगों के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में मामला दर्ज कराया है। वकील द्वारा दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार में शामिल थे। 5 अगस्त के बाद से देश में आए दिन ऐसी रैलियां निकाली जा रहीं हैं जिसमे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ, खलीफा शासन की स्थापना के लिए लोगों का समर्थन जुटाने की कोशिश की जा रही है। इन रैलियों पर कोई रोक टोक नहीं है और प्रशासन इन्हें होने दे रहा है। ढाका यूनिवर्सिटी के कैंपस में तालिबान शासन के समर्थन में भी रैलियां निकाली जा रही हैं। बदलते राजनीतिक घटनाक्रम के दौरान, बांग्लादेश में सूफी दरगाहों पर हमले की भी घटनाएं सामने आ रहीं हैं। कट्टरपंथियों ने सिलहट, कोमिला और चट्टोग्राम में कई सूफ़ी दरगाहों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। मीडिया कवरेज न मिलने और नागरिक समाज द्वारा निंदा न किए जाने के कारण, ये चरमपंथी अपना उत्पात जारी रखने में कामयाब हो रहे हैं।

एक वरिष्ठ पत्रकार ने शरिया क़ानून और खलीफा शासन के पक्ष में निकाले जानी वाली रैलियों के बारे में कहा कि इसकी वकालत करने वाले कट्टरपंथी हमेशा मौजूद थे, लेकिन अवामी लीग की सरकार गिरने के बाद ये लोग खुश होकर इसका समर्थन कर रहे हैं। हालांकि ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है।

(द वायर हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मणिपुर सीएम बीरेन के इस्तीफे की अटकलें

16 घंटे में दूसरी बार राज्यपाल से मिलने पहुंचे सीएम

7 दिनों में हिंसक घटनाएं बढ़ीं, अब तक 8 की मौत

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पिछले 16 घंटो में दो बार गवर्नर लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। वे रविवार दोपहर करीब 12 बजे राज्यपाल से मिलने पहुंचे। वहीं शनिवार रात 8 बजे भी उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की थी। यह मीटिंग करीब 30 मिनट तक चली थी। इससे पहले बीरेन सिंह सीएम हाउस में सभी विधायकों से भी मिले थे। सूत्रों की मानें तो, बीरेन सिंह इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने पिछले साल 20 जून को भी इस्तीफा देने की पेशकश की थी। बाद में फैसला बदल दिया। मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। बीते 7 दिनों से हिंसा बढ़ गई है। इसमें 8 लोगों की मौत हुई है। 15 से ज्यादा घायल हैं। मणिपुर भाजपा के एक सूत्र ने कहा कि कोकी सहित विभिन्न समूहों की मांग थी कि केंद्र को अपने लोगों को बढ़ते उग्रवादी हमलों से बचाने के लिए मणिपुर को और अधिक सहायता भेजनी चाहिए। सूत्र ने कहा, केंद्र सरकार राजनीतिक मुद्दों को संबोधित करने के बजाय हिंसा को कम करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है। आज जो चर्चा हुई वह उसी दिशा में थी। मणिपुर में सार्वजनिक आपातकाल की स्थिति की घोषणा करते हुए कोकी ने केंद्र सरकार को एक अल्टीमेटम दिया। उसने पांच दिनों के भीतर संकट से निपटने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों से ठोस कार्रवाई की मांग की। कोकी ने धमकी दी कि ऐसा न करने पर, लोगों द्वारा अपनी और मूल आबादी की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे, जिसमें मणिपुर से केंद्रीय बलों को बाहर भेजना भी शामिल है। शनिवार का घटनाक्रम मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर हमले के बाद हुआ।

उत्तराखंड कांग्रेस में घमासान, प्रभारी कुमारी शैलजा ने प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा की नियुक्तियों को किया रद्द

देहरादून(एजेंसी)। देश के चार राज्यों में चुनाव की तैयारी कर रही कांग्रेस को उत्तराखंड में टकराव जैसे हालात का सामना करना पड़ रहा है। यहां प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा की ओर से प्रदेश कार्यकारिणी में की गई नियुक्तियों को पार्टी की नेता कुमारी शैलजा ने रद्द कर दिया है। शैलजा उत्तराखंड में कांग्रेस की प्रभारी हैं। उन्होंने एक पत्र जारी कर कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि उत्तराखंड में कांग्रेस संगठन में कुछ अस्थायी नियुक्तियां की गई हैं। जिन नियुक्तियों की अनुमति अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के परमिशन के बिना की गई है, उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। जाहिर है, कुमारी शैलजा ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा को बड़ा झटका दिया है।कुमारी शैलजा का पत्र रविवार को सामने आया है, जिसकी प्रतिलिपि कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, सचिव प्रगट सिंह, सुरेंद्र शर्मा और उत्तराखंड के नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य को भेजी गई है। इस पत्र में शैलजा ने लिखा है, प्रिय करण माहरा जी, मेरे संज्ञान में आया है कि उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस संगठन व जिला/ब्लॉक संगठन में कुछ अस्थायी/स्थायी नियुक्तियां की गई हैं। ऐसी सभी नियुक्तियां जो एआईसीसी की मंजूरी के बिना की गई हैं, उन्हें तुरंत रद्द किया जाता है।

अफजल गुरु को फांसी नहीं तो क्या माला पहनानी चाहिए थी

- पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला के बयान पर भड़के राजनाथ सिंह,बोला हमला
- कहा-पीओके के लोगों को विदेशी मानता है पाक,भारत के लिए वे अपने

श्रीनगर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) के निवासियों को भारत में शामिल होना चाहिए, हम उन्हें अपना मानते हैं। राजनाथ ने ये बात जम्मू-कश्मीर के रामबन में कही। यहां वे बीजेपी उम्मीदवार राकेश सिंह ठाकुर के लिए वोट मांगने पहुंचे थे। वे बनिहाल भी जाएंगे। यहां बीजेपी उम्मीदवार मोहम्मद सलीम भट के लिए वोट मांगने जाएंगे। गृह मंत्री ने कहा- पाकिस्तान पीओके के निवासियों को विदेशी मानता है, लेकिन भारत उन्हें अपना मानता है। जब तक भाजपा है, तब तक जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं हो सकती। अगस्त 2019 में जब आर्टिकल 370 हटा तब से जम्मू-कश्मीर में सिक्योरिटी को लेकर बड़े बदलाव हुए। यहां का युवा अब पिस्तौल-रिवॉल्वर के बजाय लैपटॉप और कंप्यूटर रखते हैं। बीते 5 साल में हमने 40 हजार जॉब जनरेट किए। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को आतंकियों के लिए सहानुभूति है। मैंने सुना कि उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अफजल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या अफजल गुरु को माला पहनाई जानी चाहिए थी। बीजेपी से राकेश सिंह ठाकुर मैदान में हैं। एनसी ने ने अर्जुन सिंह राजू को टिकट दिया है।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

नहीं रूकूंगा झुकूंगा नहीं
कभी नहीं मानूँगा कि झुक गया
आसमान
दरियाफ्त करूँगा
उस छोर पर खड़े आदमी से
हालाँकि सन-सन हवाएँ हमारी
आवाज़ काटेंगी
मुझे सुनाई नहीं देगी
उस छोर खड़े आदमी की
आवाज़
और वह मेरी आवाज़
सुन न सकेगा
तब मैं जाऊँगा उस छोर पर खड़े
आदमी के पास
देखूँगा और कहूँगा
आसमान का झुकना
महज एक फंतासी है
कि कभी नहीं झुकता आसमान
कहना ज़रूरी है कि महज एक
अफ़वाह है यह
बादल बारिशों से ही नहीं
कपासों से भरे भी होते हैं
यह बात बारिशों के नहीं
वारिसों के लिए है...

– वसंत सकरगाए

प्रस्तावित इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र एवं इंदौर रीजनल डेवलपमेंट एरिया के चहुँमुखी विकास के लिए बनेगी कार्ययोजना: मुख्यमंत्री

- सिंहस्थ से पहले शुरू होगी इंदौर-उज्जैन मेट्रो
- इंदौर की पुरानी बस्तियों के निराकृत होंगे भू-स्वामित्व के मामले, नक्शे भी होंगे पास
- नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों के विकास के लिए एक माह में तैयार होगी विशेष कार्ययोजना
- एलिवेटेड ब्रिज के बजाय अब बनेंगे 6 ओवर ब्रिज
- शहर विकास संबंधी स्वीकृत तथा प्रगतिरत निर्माण कार्यों को पूरा करने तय की गई समय-सीमा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर तेजी से बढ़ता हुआ शहर है। इस शहर में विकास की अपार संभावनाएँ है। मध्यप्रदेश और इंदौर शहर देश के मध्य भाग में स्थित है। इसको दृष्टिगत रखते हुए यहां का विकास सुनियोजित रूप से किए जाने की आवश्यकता है। अगर इंदौर शहर और मध्यप्रदेश का सुनियोजित विकास होगा तो इसका लाभ अन्य राज्यों को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज इंदौर में विकास कार्यों की समीक्षा की। इसमें इंदौर के चहुँमुखी विकास के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र एवं इंदौर रीजनल डेवलपमेंट एरिया के चहुँमुखी विकास के लिए कार्य-योजना तैयार होगी। इंदौर नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों के विकास के लिए विशेष कार्ययोजना बनायी जायेगी। यह कार्ययोजना एक माह में तैयार करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिये गये। साथ ही निर्णय लिया गया कि इंदौर शहर के एलआईजी से नवलखा तक प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज के स्थान पर आवश्यकता के अनुसार जंक्शनों पर 6 और ब्रिज बनाये जाएंगे। यह भी तय किया गया कि नगर निगम सीमा क्षेत्र में शामिल 29 गांवों और शहर की अन्य पुरानी बस्तियों के भू-स्वामित्व संबंधी मामले निराकृत हों और इनके नक्शे भी पास करने की व्यवस्था बनायी जाये। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाये कि इन गांवों में वैध कॉलोनियों की तरह ही सभी मूलभूत सुविधाएं मिलें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर जिले में स्वीकृत तथा प्रगतिरत विभिन्न निर्माण कार्यों को पूरा करने की समय-सीमा भी तय की।

सिंहस्थ (2028) से पहले इंदौर-उज्जैन मेट्रो का काम पूरा हो जाएगा। मेट्रो के साथ ही वंदे भारत मेट्रो भी चलाई जाएगी, जो 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। वंदे भारत मेट्रो इंदौर-उज्जैन के बीच ब्रॉडगेज पर चलेगी। इंदौर में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान सीएम मोहन यादव ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि इंदौर पूरे मालवा खासकर उज्जैन, इंदौर, देवास, धार का कुछ हिस्सा मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में डेवलप होगा। बैठक में बताया गया कि एलआईजी से लेकर नवलखा तक एलिवेटेड ब्रिज के लिये मात्र तीन प्रतिशत की उपयोगिता ही मिली है। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब इतनी कम उपयोगिता आ रही है तो एलिवेटेड ब्रिज की जरूरत नहीं है। इसके बजाय वैकल्पिक व्यवस्था की जाये।

बिहार में बन रहे आसार, फिर होगा 'खेला'

- हरियाणा-महाराष्ट्र चुनाव के बाद बदल सकती है सियासत
- बीजेपी से संबंधों पर सीएम नीतिश बार-बार दे रहे हैं सफाई

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में 'खेला' शब्द अब राजनीतिक संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। बिहार की सियासत में खेला पहले भी समय-समय पर होता रहा है। पर, इसमें गति 2024 के आरंभ से आई है। नीतिश कुमार जब महागठबंधन (अब 'इंडिया') से अलग होकर एनडीए का हिस्सा बने तो आरजेडी नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव ने 'खेला होगा' कह कर खेला संस्कृति को हवा दे दी। हालांकि वे जिस खेला की बात करते थे, उसमें उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इसके बावजूद आरजेडी नेताओं के मन में खेला शब्द ऐसे कुंडली मार कर बैठ गया है कि वे बार-बार बिहार में खेला की बात करते हैं। वर्ष 2013 में बीजेपी ने 2014 के संसदीय चुनाव में नरेंद्र मोदी को पीएम फेस बनाने की घोषणा की। नीतिश कुमार को नरेंद्र मोदी का चेहरा रास नहीं आया। उन्होंने 2005 से भाजपा के साथ बने रिश्ते को तार-तार कर दिया। हालांकि भाजपा से रिश्ता तोड़ने के बाद उन्होंने अकेले अपनी ताकत आजमाई और उसका नतीजा 2014 में देख लिया। जेडीयू को तब लोकसभा चुनाव में 40 में सिर्फ दो सीटें ही मिलीं। 2015 में जब बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ तो लालू यादव ने उन्हें महागठबंधन में सीएम बनाने की शर्त पर शामिल करा लिया। इसका सुखद परिणाम आया। बिहार में दशक भर से ज्यादा चली एनडीए सरकार की जगह महागठबंधन की सरकार बन गई। नीतिश कुमार को वादे के मुताबिक लालू ने सीएम भी बना दिया।

बिहार में फिर खेला होने की सुगबुगाहट

आरजेडी ने अब भी खेला होने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। किसी न किसी रूप में नीतिश को भाजपा के खिलाफ खड़ा कर आरजेडी उन्हें अपने साथ जोड़ने की फिराक में है। हालांकि यह काम फिलहाल आसान नहीं दिखता। पर, जिस तरह आरजेडी के प्रवक्ता मृत्यंजय तिवारी पितृपक्ष के बाद राजनीतिक उठा-पटक के दावे कर रहे हैं। इससे यही लगता है कि आरजेडी ने अभी खेला होने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। मृत्युंजय तिवारी के दावे में इसलिए भी दम दिखता है कि नीतिश कुमार को बेमौसम अपनी इधर-उधर की आवाजाही पर सफाई देने की जरूरत क्यों महसूस हुई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 9 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कोलकाता कांड

'अपनों' से घिरीं ममता, सांसद का इस्तीफा

सीएम को चिट्ठी लिखकर पार्टी नेताओं को कठघरे में किया खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने रविवार को कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में बंगाल सरकार के रवैये के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। रविवार को उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को चिट्ठी लिखकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इस चिट्ठी में जवाहर सरकार ने अपनी ही पार्टी के 'कुछ खास लोगों' पर दबंग रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को कटघरे में ला कर खड़ा कर दिया है। जवाहर सरकार ने चिट्ठी में लिखा, मैं कुछ चीजें बर्दाश्त नहीं कर सकता जैसे भ्रष्ट अधिकारियों (या डॉक्टरों) को प्रमुख और शीर्ष पद मिलना। उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या के बाद बंगाल में विरोध प्रदर्शनों और बवाल के बाद इस्तीफा दिया है। जवाहर सरकार ने कहा है कि जनता का आक्रोश टीएमसी सरकार के प्रति बढ़ते असंतोष को दर्शाता है।

'तानाशाही से लड़ने में कोई समझौता नहीं कर सकता'

अपनी चिट्ठी में जवाहर सरकार ने कई महीनों तक बनर्जी से निजी तौर पर बात न कर पाने पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, आपने मुझे तीन साल तक संसद में बंगाल के मुद्दों को उठाने का अवसर दिया इसके लिए मैं फिर से आभार व्यक्त करता हूं लेकिन अब मैं सांसद के रूप में बिल्कुल भी काम नहीं कर सकता हूं। केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता और तानाशाही से लड़ने में कोई समझौता नहीं कर सकता। टीएमसी को सलाह देते हुए जवाहर सरकार ने अपनी पार्टी से टकराव को दूर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विरोध मुख्य रूप से राजनीतिक उद्देश्यों के बजाय न्याय और सजा दिलवाने के लिए हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पार्टी सही कदम नहीं उठाएगी तो सांप्रदायिक ताकतें इस राज्य पर कब्जा कर लेंगी। जवाहर सरकार ने राजनीति से पूरी तरह हटने की अपनी मंशा की घोषणा करते हुए कहा, मैं जल्द ही दिल्ली जाऊंगा और राज्यसभा के सभापति को अपना इस्तीफा सौंपूंगा और खुद को राजनीति से पूरी तरह से अलग कर लूंगा। जवाहर सरकार के इस्तीफा के फैसले पर कुणाल घोष ने कहा, मैं जवाहर सरकार के व्यक्तिगत सिद्धांत की आलोचना नहीं करूंगा। यह उनका फैसला है। वे अपने फैसले ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री बीना से लाड़ली बहनों के खाते में 1574 करोड़ रूपये करेंगे अंतरित

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खाते में आयेंगे 332.43 करोड़ रूपये

कृषि उपज मंडी बीना में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 सितंबर को सागर जिले के बीना से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित करेंगे। सागर जिले के बीना कृषि उपज मंडी में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना योजना की 1.29 करोड़ बहनों के खातों में 1574 करोड़ रूपये की राशि अंतरित करेंगे। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खाते में 332.43 करोड़ रूपये अंतरित की जायेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव अनेक विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि अब तक लाड़ली बहना योजना के तहत लाड़ली बहनों को 24,499 करोड़ तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 3 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि उनके खातों में अंतरित की गई है।

विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार अमरीका पहुंचे राहुल

- भारतीय प्रवासियों और छात्रों से करेंगे मुलाकात, 10 को वॉशिंगटन डीसी का भी दौरा

डलास (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अमेरिका के डलास पहुंच गए हैं। यह विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी का पहला अमेरिका दौरा है। राहुल यहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और यहां के छात्रों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करेंगे। इससे पहले ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने राहुल के अमेरिका जाने की खबर साझा की थी। राहुल डलास के बाद 9 सितंबर को टेक्सास और 10 सितंबर को वॉशिंगटन डीसी का भी दौरा करेंगे। राहुल गांधी ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर यह जानकारी देते हुए बताया मैं सच में डलास, टेक्सास, यूएसए में भारतीय प्रवासियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों से मिले गर्मजोशी और स्वागत से बहुत खुश हूं। राहुल गांधी ने आगे इस यात्रा के बारे में लिखा, मैं इस यात्रा के दौरान सार्थक चर्चाओं में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं जो हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। इससे पहले ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने यह जानकारी देते हुए बताया था कि राहुल गांधी 8 सितंबर से अमेरिका यात्रा पर रहेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे। सैम पित्रोदा ने बताया था कि हर शहर में एक प्रवासी कार्यक्रम होगा। इसके अलावा राहुल भारतीय प्रवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित एक डिनर में भी शामिल होंगे। इससे पहले पिछले साल जून में भी राहुल गांधी ने अमेरिका का दौरा किया था। सैन फ्रैंसिस्को में राहुल भारतीय छात्रों से मिले थे। यहां उन्होंने एक प्रेस कॉफ्रेंस को भी संबोधित किया था जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थी।

घर में फैला करंट, ज्योतिषाचार्य पिता-पुत्र की मौत

बेटे को बचाने में पिता की भी गई जान, मां-बेटी घायल ; बन रहा था मकान

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में एक घर में अचानक करंट फैल गया। इसकी चपेट में आने से पिता और बेटे की जान चली गई। बचाने पहुंची मां और बेटी भी करंट की चपेट में आकर बेसुध होकर गिर पड़ी। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पिता-बेटे को मृत घोषित कर दिया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के बाला बाई का बाजार में रविवार सुबह की है। 42 वर्षीय प्रेमदत्त शर्मा ज्योतिष का काम करते थे। उनके मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। उन्होंने बगल में एक मकान किराए से लिया था। जिसमें वह पत्नी ज्योति, बेटा पवित्र उर्फ कृष्णा और बेटी पलक के साथ रहते थे।

बेटा सबसे पहले करंट की चपेट में आया

रविवार सुबह हाई वोल्टेज करंट की चपेट में कृष्णा आ गया। बेटे को करंट लगता देख पिता प्रेमदत्त उसे बचाने पहुंचे। वे भी चपेट में आ गए। पत्नी ज्योति ने बेटी पलक के साथ उन्हें बचाने की कोशिश की। लेकिन वे दोनों भी करंट लगने से बेसुध होकर गिर गई।

पड़ोसियों ने ज्योतिषाचार्य के भाई को बुलाया

चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी वहां पहुंचे। उन लोगों ने प्रेमदत्त के भाई बलराम शर्मा को सूचना दी।

डॉक्टरों ने पेट में कपड़ा छोड़ा, 11 महीने बाद मौत

सागर में परिजन का चक्काजाम ; बोले- डिलीवरी के बाद से तकलीफ में थी

बीना (नप्र)। सागर में डॉक्टरों की लापरवाही के कारण एक महिला की मौत हो गई। परिजन का कहना है कि एक साल पहले खुरई के रीठौर मिशन अस्पताल में महिला की सिजेरियन डिलीवरी हुई थी। इस दौरान डॉक्टरों ने उसके पेट में कपड़ा छोड़ दिया था। जिसके बाद से उसे पेट में तकलीफ होने लगी। 11 महीने तक दर्द सहने के बाद महिला ने शनिवार को दम तोड़ दिया।

शनिवार रात को परिजन महिला का शव लेकर खुरई पहुंचे। यहां नेशनल हाईवे बीना-सागर रोड स्थित रीठौर मिशन अस्पताल के सामने चक्काजाम कर दिया। उनकी मांग थी कि डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और बच्ची के भरण पोषण के लिए आर्थिक मदद मिले। देहात थाना प्रभारी धनेंद्र यादव, शहरी थाना प्रभारी शशि विश्वकर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के आश्वासन के बाद धरना बंद हुआ। आज शव का पोस्टमॉर्टम होगा।पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

झांसी-भोपाल भी ले गए, लेकिन तकलीफ कम नहीं हुई

महिला के भाई सुनील अहिरवार ने बताया, बहन अनीता अहिरवार (38) की पहली डिलीवरी खुरई के रीठौर मिशन अस्पताल में 6 सितंबर 2023 को हुई थी। डॉक्टरों ने ऑपरेशन करके डिलीवरी कराई। बच्ची का जन्म हुआ था। इसके बाद से ही बहन की तबीयत खराब होने लगी। उसे कई बार मिशन अस्पताल लेकर गए, लेकिन कोई आराम नहीं हुआ। इलाज कराने झांसी, बीना और भोपाल भी गए, लेकिन बहन की तकलीफ कम नहीं हुई।

ऑपरेशन कर निकाला कपड़ा, 10वें दिन मौत

23 अगस्त 2024 को बहन को सागर के भाग्योदय अस्पताल में भर्ती कराया। चार दिन तक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बताया कि बहन के पेट में कपड़ा फंसा हुआ है, जिसे निकालने के लिए ऑपरेशन करना पड़ेगा। 28 अगस्त को ऑपरेशन कराया तो पेट में से कपड़ा निकला। बहन अस्पताल में ही भर्ती रही। 7 सितंबर शनिवार शाम को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। भाई सुनील अहिरवार ने बताया, बहन के पति पप्पू अहिरवार की मौत डिलीवरी से दो महीने पहले 27 जुलाई 2023 को हार्ट अटैक से हो गई थी। उनकी 11 माह की बच्ची है। जीजा किसानी करते थे। उनकी जमा पूंजी बहन के इलाज में खर्च हो गई। बच्ची अकेली रह गई है।

भोपाल का डॉक्टर वाटर फॉल में डूबा, साथी डॉक्टरों के साथ सीहोर के दिगंबर जलप्रपात पर गए थे

सीहोर। सीहोर जिले के शाहगंज क्षेत्र में स्थित दिगंबर जलप्रपात में रविवार को पिकनिक मनाने गए भोपाल के एक डॉक्टर डूब गए। उनके चार साथी सुरक्षित हैं। वहीं, डॉक्टर की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक डॉ अश्विन और उनके साथियों को सुरक्षाकर्मियों ने वहां जाने से रोका था।शाहगंज थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि पीपुल्स अस्पताल भोपाल के डॉक्टर अश्विन कृष्णन अय्यर (28) अपने साथी डॉक्टर आयुष, कोशकी, अभिषेक और आकांक्षा के साथ भोपाल से दिगंबर झरने पर पिकनिक मनाने आए थे।

परिवार में फूट समाज को पसंद नहीं, मुझसे गलती हुई

- महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने फिर मानी गलती
- कहा-परिवार में फूट डालने की गलती नहीं करनी चाहिए

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार ने पत्नी सुनेत्रा पवार को बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़वाने पर एक बार फिर अपनी गलती मानी है। उन्होंने कहा कि हमारा समाज परिवार में लड़ाई को पसंद नहीं करता है। अजित गढ़चिरौली में शनिवार को एक जनसम्मान रैली को संबोधित कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा- परिवार में फूट डालने की गलती नहीं करनी चाहिए। मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया है।

मैंने भूल स्वीकारी है। अजित ने एक महीने के भीतर दूसरी बार अपनी बात दोहराई है। उन्होंने इससे पहले 13 अगस्त को एक मराठी न्यूज चैनल को इंटरव्यू में कहा था कि राजनीति को घर में घुसने नहीं देना चाहिए। मेरा अपनी पत्नी को बहन के खिलाफ चुनाव लड़ाने का फैसला गलत था। अजित ने विधायक की बेटी को बगावत से रोकने की कोशिश की अजित ने गढ़चिरौली में भाषण के जरिए एनसीपी नेता राज्य मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम की बेटी भाग्यश्री को शरद गुट में जाने से रोकने की कोशिश की। दरअसल, आगामी विधानसभा चुनाव में भाग्यश्री के अहेरी विधानसभा सीट से शरद गुट के टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकले हैं। ऐसा हुआ तो वो अपने पिता के खिलाफ ही चुनाव लड़ेंगी। धर्मराव बाबा आत्राम 2019 से अहेरी के विधायक हैं। जुलाई 2023 में जब अजित पवार ने चाचा शरद पवार से बगावत की थी, तो उनका साथ देने वालों विधायकों में धर्मराव बाबा भी थे। तब एनसीपी दो खेमे में बंट गई थी। अजित एनसीपी (अविभाजित) के 8 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। उन्होंने अपने साथ 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया था। गठबंधन सरकार में अजित को डिप्टी सीएम बनाया गया था।

राजस्थान में अब सरकारी समारोह में बैंड बजाएंगे कैदी !

बीकानेर जेल में 18 कैदियों का बना ग्रुप, दी जा रही ट्रेनिंग

जयपुर/बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान की बीकानेर जेल के कैदी अब शादी ब्याह के साथ सरकारी और निजी समारोह में बैंड बजाते नजर आएंगे। बीकानेर जेल प्रशासन की ओर से पहली बार ट्रेनिंग दी जा रही है। इस ग्रुप में कुल 18 बंदी शामिल हैं। कैदियों के आचरण को देखकर उन्हें इस टीम में शामिल किया गया है। बीकानेर जेल में बंद एक कैदी है, जो कई तरह के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाने में माहिर है। वही कैदी संगीत का शौक रखने वाले अन्य कैदियों को शहनाई, तुरही, ड्रम, डफ, बिगुल, भोंपू, ताल, पतासा और अन्य वाद्य यंत्र बजाने की ट्रेनिंग दे रहा है। जेलर सूरज सोनी, मुख्य प्रहरी गिरिराज प्रसाद मीणा और प्रहरी कमल वैष्णव की देखरेख में जेल में बैंड तैयार किया जा रहा है। आगामी दिनों ने कैदियों का यह बैंड शादी समारोह के साथ अन्य सरकारी और निजी कार्यक्रमों में भी सुरीले वाद्य यंत्र बजाते नजर आएंगे। जेल प्रशासन की ओर से कैदियों के लिए सभी तरह के वाद्य यंत्रों की खरीद की जाएगी।

यह अनूठी पहल की जा रही है। जेल में बंद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों का एक ग्रुप तैयार किया जा रहा है, जो वाद्य यंत्र बजाने में माहिर हैं। संगीत में रुचि रखने वाले कैदियों को जेल में ही

कंगना की फिल्म को सेंसर बोर्ड ने दे दिया सर्टिफिकेट

- इमरजेंसी के 3 सीन डिलीट, 10 बदलाव भी करने होंगे, इसके बाद रिलीज होगी

अमृतसर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने यू ए सर्टिफिकेट दे दिया है। इस फिल्म के कई सीन पर बोर्ड ने आपत्ति जताई है, जिसकी वजह से अब ये फिल्म कई कट और बदलावों के बाद कुछ ही हफ्तों में रिलीज की जाएगी। बोर्ड ने इस फिल्म से 3 सीन डिलीट करने के निर्देश दिए हैं। सख्त हिदायत दी है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले इसमें 10 बदलाव करने होंगे। फिल्म को लेकर सिख संगठनों ने आपत्ति जताई थी, जिसके कारण बोर्ड ने सर्टिफिकेट रोक दिया था। कंगना ने बताया था कि सर्टिफिकेट ना मिलने के कारण फिल्म अपने तय समय पर रिलीज नहीं हो पाई है। सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिलने के बाद अभी तक सिख संगठनों की तरफ से या फिर कंगना के तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इमरजेंसी में दिखाए गए विवादित बयानों पर सेंसर बोर्ड ने फैक्ट्स दिखाने को कहा है। बोर्ड ने कहा है कि मेकर्स को इस फिल्म में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड मिल्हौस निक्सन द्वारा भारतीय महिलाओं के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी शामिल है।

हरियाणा में कांग्रेस-एएपी में आज हो सकता है गठबंधन

4+1 फॉर्मूले पर आम आदमी पार्टी में बन गई है सहमति

बाबरिया बोले-उन्होंने कम सीटों पर कर लिया समझौता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन लगभग हो गया है। हालांकि, अभी इसका औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। शनिवार देर रात को कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच मीटिंग हुई। दोनों पार्टियों कल, 9 सितंबर को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन का ऐलान कर सकती हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने एएपी को 4+1 फॉर्मूला यानी 5 सीट का ऑफर दिया है। लोकसभा चुनाव में एएपी-कांग्रेस के जॉइंट कैंडीडेट डॉ. सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था। इस सीट के अंतर्गत 11 विधानसभा आती हैं। गुप्ता यह चुनाव तो नहीं जीत पाए, लेकिन उन्होंने इस सीट के अंतर्गत आने वाली 4 सीट (गुहला चीका, पिहोवा, शाहाबाद और कलायत) पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस यह चारों सीट एएपी को दे सकती है। दीपक बाबरिया ने कहाकि गठबंधन को लेकर ऐसा लग रहा है कि आम आदमी पार्टी ने कम सीटों पर समझौता कर लिया है। इस पर जल्द फैसला हो जाएगा।

एएपी को अच्छी संख्या में सीटें दी जा रही हैं। राघव चड्ढा बोले-कांग्रेस के साथ अच्छी बातचीत हो रही है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया जाएगा. उम्मीद पर दुनिया कायम है। इस पर मैं बस इतना कह सकता हूं कि आरजू भी है, हसरत भी है और उम्मीद भी है। सीटों को लेकर कुछ नहीं कह सकता। राज्य में गठबंधन को लेकर कांग्रेस-एएपी के बीच 3 मीटिंग हो चुकी हैं।

दलित छात्राओं के साथ भर्ती के नाम पर धोखाधड़ी

भोपाल (नप्र)। राजधानी में छात्रों से धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। आनंद नगर स्थित टीआईटी कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर आधा दर्जन से अधिक छात्रों से लाखों रूपए वसूले गए हैं। प्रबंधन और छात्रों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, छात्रों ने बताया कि पिपलानी नगर थाने पर धोखाधडी की लिखित शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की गई। छात्राओं ने पदम मडराई नाम के व्यक्ति पर धोखाधड़ी कर पैसे वसूलने का आरोप लगाया है।

राजधानी भोपाल में ठग गिरोह की सक्रियता का खुलासा उस वक्त हुआ जब डिंडौरी जिले की रहने वाली दलित छात्रा तमेश्वरी देवी जीएनएम कोर्स में एडमिशन लेने आनंद नगर स्थित टीआईटी कॉलेज आई। अनूपपुर जिले की प्रियंका मारवी के साथ भी पदम मडराई ने ठगी की है। इन छात्राओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने प्रभाव में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की है।

डॉ. शोभा जैन को डॉ. हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान

भोपाल (नप्र)। माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल प्रतिवर्ष शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक को सम्मानित करता है। हिंदी के प्राध्यापक एवं पूर्व प्राचार्य डॉ हरिकृष्ण दत्त की स्मृति में यह सम्मान दिया जा रहा है। सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, शॉल लेखनी और रु 11000/- सम्मान निधि भेंट की जाती है। ज्ञानतीर्थ सप्रे

संग्रहालय परिवार ने वर्ष 2024 के डॉ हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान के लिए इंदौर से सहा प्राध्यापक,वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शोभा जैन का चयन किया है। सम्मान समारोह 2 अक्टूबर को सप्रे संग्रहालय सभागार में आयोजित किया जायेगा। डॉ. शोभा जैन शिक्षण की दिशा में कई शिक्षण संस्थाओं में अपनी अवैतनिक सेवाएं देती आयी हैं। महाविद्यालय में विभागाध्यक्ष के पद पर रहते हुए संस्थाओं में अपनी स्वतंत्र सेवाएं उनके कार्य क्षेत्र का हिस्सा रहा हैं।

संयोगवश डॉ हरिकृष्ण दत्त हरदा के जिस महाविद्यालय में प्राचार्य और प्राध्यापक रहें। डॉ शोभा जैन का जन्म स्थान एवं शिक्षा भी हरदा महाविद्यालय से है। डॉ जैन शिक्षा के क्षेत्र के साथ संपादन और साहित्य के क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है। समीक्षा विधा में वे विशेष हस्तक्षेप रखती हैं।

हनी ट्रैप में महिला दलाल के घर तक पहुंची पुलिस

आरोपी की बेटियों के बयान दर्ज, अपहरण में इस्तेमाल कार भी कब्जे में ली गई

भोपाल (नप्र)। भोपाल में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) के एक सीनियर अफसर (डीजीएम) को स्क्रैप ठेकेदार द्वारा हनी ट्रैप में फांसने के मामले की जांच कर रही एसआईटी को आरोपी महिलाओं के संबंध में अहम सबूत मिले हैं। जया नाम की एक महिला आरोपी के घर तक पुलिस पहुंच गई है।

एमपी नगर स्थित महिला के घर दबिश में पुलिस को वह घर नहीं मिली लेकिन उसकी बेटियों के बयानों को दर्ज किया गया है। बेटियों ने पुलिस को बताया कि मां क्या करती थी, इस बात की उन्हें जानकारी नहीं है। मां पहले एक ब्यूटी पार्लर का संचालन किया करती थी। इधर, डीजीएम को अगवा कर जिस लाल रंग की कार से जबलपुर ले जाया गया था उसे भी जब्त कर लिया है।

आरोपी और फरियादी के बीच 20 साल पुराना परिचय

हनीट्रैप का शिकार भेल डीजीएम पहले साकेत नगर में रहते थे। यहीं उनका महिला से परिचय हुआ था। आरोपी दिन में कई-कई घंटे तक फरियादी के साथ बात करता था। दोनों ने एक साथ देश के कई हिस्सों का टूर किया है। इस बात की जानकारी स्वयं आरोपी ने पुलिस पूछताछ में दी थी। पुलिस की तस्दीक में यह बात सही भी साबित हुई है।

पुलिस को चार महिलाओं की तलाश

ममता द्विवेदी, पूजा राजपूत, जया और उज्बेकिस्तानी महिला सहित केस में कुल चार महिलाओं की मिलीभगत उजागर हो चुकी है। उज्बेकिस्तानी महिला कॉल गर्ल है, जबकि अन्य तीनों महिलाएं दलाली का काम करती हैं। तीनों भोपाल में सक्रिय रही हैं। अलग-अलग होटलों में रिमांड अनुसार लड़कियों को सप्लाई करने का काम करती थीं। महिला दलालों ने बकायदा सिस्टम बना रखा है। इसके तहत लड़की की बुकिंग के बाद रकम एडवांस यूपीआई पर ट्रांसफर करा ली जाती थी। इसके बाद कॉल गर्ल को एक युवक तय स्थान तक लाने और ले जाने का काम करता है। ग्राहक से संपर्क कराने वाले को भी कमिशन दिया जाता था। कई होटलों के कर्मचारी भी इन महिलाओं के संपर्क में रहते थे।

5 हजार से 25 हजार तक वसूले जाते थे

दलाल महिलाएं कॉल गर्ल भेजने के लिए पांच हजार से 25 हजार रुपए तक वसूला करती थीं। इस रैकेट में एशियन सहित विदेशी लड़कियां तक शामिल हैं। पुलिस अब तक 20 से अधिक लोगों के बयानों को दर्ज कर चुकी है। इनमें होशंगाबाद रोड स्थित एक होटल के मैनेजर, स्टॉफ सहित दलाल महिलाओं के परिजन, शशांक के दो करीबी सहित फरार दलाल महिलाओं के रिश्तेदार शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर एयरपोर्ट पर पर्यूषण विशेषांक-2024 'असली दुनिया' का विमोचन किया।

पुलिसकर्मियों के बच्चों की आर्थिक सहायता राशि बढ़ी

11वीं-12वीं से एमबीबीएस तक परसेंटेज के आधार पर मिलेंगे 4 हजार से 50 हजार रुपए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के एक लाख से अधिक पुलिस अफसरों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए अच्छी खबर है। मप्र की मोहन यादव सरकार ने पुलिस परिवारों के बच्चों को मिलने वाली फीस प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाई है। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के मुताबिक, 11वीं, 12वीं से लेकर ग्रेजुएशन, एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य प्रोफेशनल डिग्री करने वाले छात्रों को परसेंटेज के आधार पर 4000 से लेकर 50 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

पुलिस परिवारों के एक लाख बच्चों को होगा फायदा- पुलिस हेडक्वार्टर से जारी आदेश के मुताबिक, आर्थिक सहायता के लिए डीएसपी से लेकर आरक्षक तक के बच्चे पात्र होंगे। 11वीं-12वीं में 85 फीसदी से अधिक अंक लाने पर 4 हजार रुपए दिए जाएंगे। जबकि, ग्रेजुएशन में 60 फीसदी से अधिक अंक लाने पर छात्रों को 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसी

तरह एमबीबीएस में 60 फ़ीसदी से अधिक अंक लाने पर सहायता राशि 50 हजार रुपए दी जाएगी।

इस साल से लागू होगी व्यवस्था- आदेश में स्पष्ट किया गया है कि फीस प्रतिपूर्ति की यह योजना 2024-2025 के लिए है। पुराने सत्र (2023-2024) की फीस प्रतिपूर्ति पुरानी नियमावली के अनुसार ही की जाएगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि आवेदक द्वारा जमा की गई कुल शुल्क में से कॉशन मनी, हॉस्टल और मेस शुल्क को छोड़कर शेष राशि अथवा निर्धारित राशि में जो अधिक होगा, वह छात्र के खाते में जारी किए जाएंगे।

फिल्मी स्टाइल में ओवरटेक कर बदमाश ने फायरिंग की

हत्याकांड के फरार आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया

भोपाल (नप्र)। अशोका गार्डन इलाके में शनिवार की देर गणेश जी की झांकी देखने जा रहे एक्टिवा सवार युवक पर बदमाश ने कट्टे से फायर कर दिया। गोली युवक की कमर में लगी है। इलाज के लिए उसे चूनाभट्टी स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। आरोपी बदमाश पहले ही एक हत्या के केस में पहले ही फरार चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे रौनक सिंह पुत्र शिवचरण (24) न्यू अशोक गार्डन में रहते हैं। शनिवार की रात करीब एक बजे वह अपने दोस्त के साथ सुंदर नगर गणेश जी की झांकी देखने के लिए अपने दोस्त शुभम उर्फ बाबू तेंदुलकर के साथ एक्टिवा पर सवार होकर जा रहा था। एक्टिवा शुभम चल रहा था, जबकि रौनक पीछे बैठे हुआ था। जैसे ही वह सेमरा दुर्गा मंदिर के पास पहुंचा, तभी पीछे से गाड़ी ओवरटेक करते हुए बदमाश यश अग्रवाल आया और गाड़ी सामने लगा दी।

कोई कुछ समझता इससे पहले ही फायर कर दिया

इससे पहले कुछ समझ में आता बदमाश ने अपने पास रखे कट्टे से शुभम पर फायर कर दिया और फरार हो गया। गोली लगने ही शुभम के पेट से खून बहने लगा तो गाड़ी के पीछे बैठा रौनक सिंह उसे लेकर अस्पताल पहुंचा। जहां पर उसकी हालत गंभीर होना बताई जा रही है। साथ ही पुलिस ने रौनक सिंह की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली है।

पुरानी रंजिश के चलते किया हमला

हमले की पीछे की वजह पुरानी रंजिश होना बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि घायल के होश में आने के बाद ही हमले की मुख्य वजह का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एक साल से चल रहा है फरार

बजरिया टीआई जितेंद्र गुर्जर ने बताया कि आरोपी यश अग्रवाल ने 2023 में हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा है। इतना ही नहीं पुलिस ने उस पर भी इनाम घोषित किया है। हालांकि पुलिस उसे पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रही है, लेकिन वह पुलिस के हत्थे ही नहीं चढ़ता। जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

शिवपुरी समेत 7 जिलों में आज भारी बारिश

11 सितंबर से स्ट्रॉन्ग सिस्टम; भोपाल, इंदौर समेत पूरे प्रदेश में गिरेगा पानी

भोपाल (नप्र)। मानसून ट्रफ और लो प्रेशर एरिया की वजह से एक बार फिर पूरा मध्यप्रदेश भीगेगा। रविवार को शिवपुरी, श्योपुर समेत 7 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। 11 सितंबर से प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इसका असर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर जिलों में भी देखने को मिलेगा। ऐसे में बारिश का कोटा भी फुल हो जाएगा।

प्रदेश में अब तक औसत 36.1 इंच बारिश हो चुकी है। यह सीजन की 97 प्रतिशत है। 1.2 इंच पानी और गिरने पर कोटा फुल हो जाएगा। प्रदेश की सामान्य बारिश 37.3 इंच है। अब तक भोपाल, ग्वालियर समेत 28 जिलों में सामान्य से ज्यादा यानी 96 प्रतिशत से 169 प्रतिशत तक पानी गिर चुका है। इनमें श्योपुर में सबसे ज्यादा 169प्रतिशत बारिश हो चुकी है। इंदौर, उज्जैन और रीवा संभाग पिछड़े हुए हैं। रीवा में सबसे कम 60 प्रतिशत (23.3 इंच) बारिश ही हुई है।

आज कुछ जिलों में तेज बारिश

मौसम विभाग (आईएमडी, भोपाल) के वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया, मानसून ट्रफ दमोह होते हुए गुजर रहा है। दूसरा ट्रफ राजस्थान से छत्तीसगढ़ की ओर जा रहा है। लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव है। इनकी वजह से 8, 9 और 10 सितंबर को कुछ जगहों पर तेज बारिश हो सकती है, लेकिन 11 सितंबर से प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बारिश का दौर रहेगा।

प्रदेश में 3 और भोपाल में 4 दिन रहेगा अवकाश

18 सितंबर को ऐच्छिक अवकाश लेकर 5 दिन छुट्टी मनाएंगे कर्मचारी

भोपाल (नप्र)। अगले हफ्ते आप (सरकारी कर्मचारी) कहीं जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो बेशक कर लीजिए। 14 से 16 सितंबर तक लगातार अवकाश है और आप भोपाल में रहते हैं, तो आपको एक दिन का अवकाश अतिरिक्त मिलने वाला है, अनंत चतुर्दशी पर भोपाल में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यानी 4 दिन की छुट्टी। टूर लंबा है, एक दिन और लगेगा, तो भी चिंता की बात नहीं है, बस आपको 18 सितंबर की छुट्टी लेनी पड़ेगी और 5 दिन का टूर पक्का।

त्योहारी महीने सितंबर में सरकारी कर्मचारियों की भी बल्ले-बल्ले है। प्रदेश के कर्मचारियों को 3, तो भोपाल के कर्मचारियों को 4 दिन की छुट्टी लगातार मिल रही हैं। 14 सितंबर को शनिवार है, इस दिन सरकारी दफ्तरों में छुट्टी रहेगी। कोरोना काल से प्रदेश में 5 दिन का कार्य दिवस लागू है और तभी से शनिवार को भी छुट्टी रहती है। रविवार होने के कारण 15 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश है, तो 16 सितंबर को मुस्लिम सम्प्रदाय का त्योहार मिलादुन्नबी है। ये छुट्टी पूरे प्रदेश के कर्मचारियों को मिलेंगी।

17 सितंबर को अनंत चतुर्दशी है। 10 दिन के गणेश उत्सव के समापन का दिन। इस दिन गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। इस दिन भोपाल में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। वहीं 18 सितंबर को राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस है। सरकार ने बलिदान दिवस पर ऐच्छिक अवकाश घोषित किया है। बता दें कि कर्मचारियों को पूरे साल में तीन ऐच्छिक अवकाश मिलते हैं।

रानी कमलापति-दानापुर के बीच चलेगी दिवाली और छठ स्पेशल ट्रेन

लगातार यात्रियों की बढ़ती संख्या को लेकर रेलवे का निर्णय

भोपाल (नप्र)। दीपावली और छठ के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति से दानापुर के बीच गाड़ी संख्या 01661/62 रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति दिवाली और छठ सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल (6-6 ट्रिप) चलाई जाएगी। ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति, नर्मदापुरम और इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी।

गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-दानापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 26 अक्टूबर से 12 नवंबर तक हर शनिवार और मंगलवार को रानी कमलापति स्टेशन से 2.25 बजे प्रस्थान कर, 3.25 बजे नर्मदापुरम, 3.55 बजे इटारसी और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 8.45 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01662 दानापुर-रानी कमलापति सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल 27 अक्टूबर से 13 नवंबर तक प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को दानापुर स्टेशन से सुबह 11.45 बजे प्रस्थान कर मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन सुबह 4.40 बजे इटारसी ,5.13 बजे नर्मदापुरम और सुबह 7.40 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

पंडालों में मंगलमूर्ति गणपति बप्पा के जयकारे गूंजे

डीजे और लेजर लाइट शो के साथ करोंद के राजा का स्वागत

भोपाल (नप्र)। गणेश चतुर्थी पर शनिवार को राजधानी में भी गणपति बप्पा की धूम रही। शुभ मुहूर्त में शहरवासी घरों और मोहल्लों के पंडालों में विराजित करने गणपति प्रतिमा ढोल-नगाड़ों से ले जाते नजर आए थे। गणेश मंदिरों जहां एक तरफ में सुबह से दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार नजर आई थी।

वहीं, देर रात तक पंडालों में गणपति बप्पा को लोग धूमधाम और गणपति बप्पा के जयकारों के साथ लेकर आए। भगवान का पूजन-अर्चन कर उन्हें मोदक लड्डुओं का भोग लगाया गया। आरती की गई। इसी के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत हुई। पंडालों में 20 फीट तक ऊंची प्रतिमाएं विराजित की गईं।

प्रतिमा में अयोध्या की झलक- अयोध्या में श्री राम की प्रतिमा के आसन रूप में भी गणेश जी की मूर्ति बनाई गई है, जो पहली बार हुआ हैं। ये ही नहीं घरों में उनके स्थापना के लिए बनाई गई झांकियों में भी राम मंदिर की छवि में दिखाई दी। वहीं, न्यू मार्केट, चौक, जुमेराती, करोंद, 10 नंबर व कोलार को बाजार में सजी दुकानों पर गणपति बप्पा की मूर्तियों को खरीदने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु नजर आए। शहर में कुल छोटे बड़े करीब 3 हजार से अधिक पंडाल लगाए गए हैं। इन झांकी पंडालों में गणपति बप्पा कई रूप में दिखा रहे हैं। करौंद के राजा के सामने हुआ लेजर लाइट शो और डीजे की प्रस्तुति।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर

कोलार में लालबाग के राजा श्री उत्सव समिति की ओर से कोलार में वृंदावन के प्रेम मंदिर की झांकी बनाकर गणेशजी की स्थापना की गई है। झांकी स्थल में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ख्याल रखा जाएगा। समिति के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने बताया झांकी स्थल के आसपास के क्षेत्रों में 101 पौधे लगाए जाएंगे। प्लास्टिक की जगह प्रसाद कागज के पैकेट और कपड़े के थैले में देंगे। इसके लिए 11 लोगों की टीम बनाई है। इसके अलावा, इतवारा स्थित शिव मंदिर ट्रांसपोर्ट एरिया में 8 फीट ऊंची प्रतिमा विराजित की गई।

करोंद के राजा का हुआ ग्रैंड वेलकम

करौंद के राजा गणेश उत्सव समिति 20 वर्ष से गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार रात करोंद के राजा का आगमन फिर न्यू थीम पर किया गया। भव्य आतिशबाजी के साथ लाइट लेजर शो देखने को मिला। इसी के साथ मध्यप्रदेश के जाने-माने डीजे मां लक्ष्मी डीजे और स्वरमाला डीजे ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को देखने हजारों लोग पहुंचे। बता दें कि यहां 20 फीट की प्रतिमा लाई गई है।

संपादकीय

युद्ध के बीच शांति की पहल

रूस और यूक्रेन भयानक युद्ध की आग में झुलस रहे हैं, तब शांति की पहल खुशी व उम्मीद से भर देता है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि भारत, चीन और ब्राजील संभावित शांति-वार्ता में मध्यस्थ के रूप में काम कर सकते हैं। भारत ने पहल को आगे बढ़ाते हुए डोभाल को रूस भेजने का निर्णय किया है। ज्ञातव्य है कि रूसी राष्ट्रपति ने इस मौके पर यह भी याद दिलाया कि युद्ध के शुरुआती हफ्तों में इस्तांबुल में हुई वार्ता में रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच एक शुरुआती समझौता हुआ था, जिसे कभी लागू नहीं किया गया, वही छूटा हुआ समझौता आगे शांति-वार्ता के लिए जमीन तैयार कर सकता है। पुतिन अगर वाकई युद्ध से अलग कुछ सोच रहे हैं, तो उनकी प्रशंसा होनी चाहिए। वास्तव में, यह ऐसा युद्ध है, जो मानो दो भाइयों के बीच हो रहा है और इसके नतीजे कभी सुखद नहीं होंगे। अंततः वार्ता की मेज पर अमन-चैन की राह तैयार करनी पड़ेगी, यह समझ जितनी जल्दी जाग जाए, दुनिया के लिए उतना ही अच्छा है। इस युद्ध में हार-जीत बहुत मुश्किल है। रूस हार नहीं सकता और यूक्रेन को अमेरिका हारने नहीं देगा। अब पहला सवाल तो यही उठता है कि क्या वाकई रूस शांति चाहता है? क्या भारत, चीन या ब्राजील को आगे करते हुए पुतिन शांति-वार्ता के लिए लालायित हैं? क्या शांति-वार्ता या मध्यस्थता की चर्चा छेड़ना रूस की युद्ध रणनीति का नतीजा है? पुतिन ने युद्ध में जैसी निर्ममता का परिचय दिया है, उसे जल्दी भुलाया नहीं जा सकता। एक दशक पहले तक उनकी छवि बहुत अच्छी थी, पर धीरे-धीरे उनकी उग्रता बढ़ती गई और दूसरे देशों के प्रति बैर-भाव भी बढ़ता चला गया। साल 2022 से ही युद्ध जारी है और ढाई वर्ष से ज्यादा समय बीत चुका है, अब भी युद्ध का अंत नहीं दिख रहा है, तो इसके लिए सर्वाधिक जिम्मेदारी पुतिन के खाते में ही दर्ज है। पुतिन ने ही पहले हमला किया और कायदे से उन्हें ही पहले हथियार पीछे करने चाहिए। क्या ब्राजील की बात रूस मानेगा? क्या चीन खुलकर युद्ध के खिलाफ कुछ कहेगा? अकेला भारत ही है, जो शुरू से ही कह रहा है कि वह युद्ध नहीं चाहता। चीन को ज्यादातर रूस के करीबी सहयोगी के रूप में देखा गया है और धीरे-धीरे रूस की चीन पर निर्भरता बहुत बढ़ती गई है, इसके बावजूद अगर चीन आगे बढ़कर युद्ध को खत्म कराने के लिए काम करता है, तो यह एक अच्छी खबर होगी। हो सकता है, चीन कभी न चाहे कि भारत एक मध्यस्थ के रूप में सफल हो। अगर ऐसा है, तो भी चीन ही आगे बढ़कर पहल करे, तो दुनिया के लिए ज्यादा अच्छा है, इससे चीन की साम्राज्यवादी मंसूबे वाली छवि भी सुधरेगी। यह चिंता की बात है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रोज औसतन 200 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा रहे हैं। मरने वालों का निश्चित आंकड़ा तो नहीं है, पर यह माना जा रहा है कि समग्रता में चार लाख से ज्यादा मौतें हुई हैं। रूस के पास धन की कमी नहीं है, पर उसकी वैज्ञानिक तरक्की सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। वैज्ञानिक रूप से रूस का पिछड़ना दुनिया में संतुलन के प्रतिकूल है। उसके शोध-विज्ञान खर्च में बहुत कटौती हुई है। रूस में संस्कृति और कला क्षेत्र पर गहरा असर हुआ है। अतः यूक्रेन की ओर से भी अब वार्ता के पक्ष और युद्ध के विपक्ष में कोई संदेश आना चाहिए।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

दुर्घटनाओं की शोकान्तिका

सागर जिले के शाहपुर में एक बहुत दुखद घटना घटी थी छोटे-छोटे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे मंदिर के प्रांगण में मिट्टी के शिवलिंग बना रहे थे, तभी पास के मकान की पुरानी दीवार जो जर्जर थी वह गिर गई और नौ बच्चे उसमें दबकर मौत के शिकार हो गये। इन बच्चों के माता-पिता पर जो दुख आया है उसे शब्दों में कहना कठिन लगता है। इस घटना का संज्ञान देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भी लिया तथा अपनी शोक संवेदनाएँ सार्वजनिक रूप से व्यक्त कीं। भारत सरकार की ओर से इन बच्चों के परिवारजनों को 2-2 लाख रुपये और मध्यप्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री जी ने 4-4 लाख रुपये के अनुदान की घोषणा की। जैसा कि आमतौर पर होता है, मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी सख्ती बताते हुये देर रात कलेक्टर एवं एस.पी. को हटा दिया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. बंसल और नगरपालिका के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

मीडिया के मुताबिक यह मकान जिनका था उन्हें मालूम था कि यह मकान जर्जर हो गया है। उन्होंने पाँच वर्ष पूर्व अपना निवास स्थान बदल लिया था और एक लकड़ी से गिरते मकान को मियारी (लकड़ी) से टिका दिया था। इसी के बाजू में बारिश के बीच मकान की दीवार से सटकर एक मामूली से पोलीथीन के पर्दे का टेंट लगाया था तथा दीवार गिरने से टेंट की तिरपाल के नीचे और ऊपर से गिरे दीवार के मलबे व मिट्टी के नीचे बच्चे दब गये और उन्हें आक्सीजन नहीं मिल सकी तथा वे खत्म हो गये। एक कुछ दिन पूर्व ऐसी ही घटना रीवा में घटी जहाँ एक ही परिवार के दो लोगों के बीच संपत्ति का विवाद था और उन्होंने आपसी विवाद में मकान व दीवार की मरम्मत नहीं कराई और मकान के गिरने से अनेक बच्चे मौत के शिकार हो गये। हालांकि इस घटना को लेकर रीवा के कलेक्टर, एसपी को नहीं हटाया गया। इस मकान की दीवार सीएम सनराइज स्कूल से सटी हुई थी उस स्कूल में पढ़ने वाले 15 बच्चे दीवार गिरने से घायल हुए जिनमें से 4 बच्चों की मौत हो गई थी।

ऐसी ही एक घटना पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली में हुई जहाँ आई.ए.एस. की कोचिंग लेने वाले 3 छात्र भारी बारिश के बाद बेसमेंट में पानी भरने से डूबकर मरे गये। नियमानुसार बेसमेंट केवल पार्किंग के लिये होता है परंतु न केवल अकेले दिल्ली बल्कि देश के अनेक इलाकों में किराये के पैसों के लालच में मकान मालिक बेसमेंट में कोचिंग क्लासेस और पढ़ने के लिए पुस्तकालय चला रहे हैं तथा छात्रों से भारी भरकम रकम किराये के रूप में ली जाती है। दिल्ली के राऊ कोचिंग के बेसमेंट (भूतल) में यह हादसा हुआ। उसमें केवल एक ही दरवाजा था और अचानक सड़क का पानी भरने से बच्चे बाहर नहीं निकल सके। इसके बाद सरकार ने जांच पड़ताल के नाम का नाटक चलाया और धीरे-धीरे देश के अन्य राज्यों में भी जांच शुरू हुई। इस घटनाक्रम की कुछ बातें आश्चर्यजनक हैं-

1. पिछले कई दशकों से बेसमेंट में ऐसे कई पुस्तकालय चल रहे हैं परंतु इतने लंबे समय तक वे कैसे चलते रहे? दिल्ली प्रशासन और नगर निगम ने कैसे चलने दिया? स्पष्टतौर पर भ्रष्टाचार का मामला है और इसकी जानकारी दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, पार्षदों, विधायकों और सांसदों सभी को होगी, परंतु इनमें से किसी ने इसके खिलाफ पहले कुछ क्यों नहीं किया।?

2. दिल्ली पुलिस जो केंद्र के अधीन है उसकी भूमिका भी समझना होगी। तीन बच्चों के डूबने के बाद दिल्ली पुलिस ने एक कार चालक के ऊपर मुकदमा दायर किया और उस चालक पर यह आरोपित किया है कि कार चालक के पानी में से कार निकालने से पानी बेसमेंट में घुसा और इस बेतुके आधार पर ड्राइवर को अपराधी बना दिया। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट ने न केवल ड्राइवर को रिहा किया बल्कि यह सख्त टिप्पणी भी की, श्शगनीमत है कि, दिल्ली पुलिस ने पानी का चालान नहीं काट्या और पूरे मामले को जांच के लिये सीबीआई को सौंप दिया।

3. दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार या केंद्र सरकार ने एक भी जिम्मेवार अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जिन्होंने भ्रष्टाचार के कारण अपनी आँखें बंद कर बेसमेंट में वर्षों से इन कोचिंग को चलने दिया था।

4. 28 जुलाई को रविवार था और प्रधानमंत्री जी हर रविवार को देश से मन की बात करते हैं। यह कितना विचित्र है कि उन्होंने दिल्ली की इतनी बड़ी घटना के बाद इसकी चर्चा मन की बात में नहीं की। जबकि देश यह उम्मीद कर रहा था कि प्रधानमंत्री इस घटना का जिक्र अपनी मन की बात में जरूर करेंगे। परंतु प्रधानमंत्री जी ने न केवल इसका जिक्र नहीं किया बल्कि बेसमेंट में जलभराव में डूबकर मरने वालों के लिये औपचारिक संवेदना भी व्यक्त नहीं की। जबकि देश के दूरस्थ इलाकों में होने वाली घटनाओं के प्रति वे तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं, या टवीट करते हैं। यह उनकी चूक है या इसके पीछे कोई उद्देश्य है यह कहना कठिन है। संभव है इसकी चर्चा से कुछ दाग उनकी सरकार पर भी लग सकते थे अतः इससे बचकर निकलना ही उन्हें उचित लगा होगा।

5. जो छात्र यू.पी.एस.सी. की कोचिंग लेने जाते हैं वे अमूमन समझदार व पढ़े-लिखे होते हैं और सोशल मीडिया के जानकार भी होते हैं। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि उन्होंने इन घटना की समस्याओं पर पहले कभी विचार नहीं किया? कभी इनके बारे में पहले कोई आवाज नहीं उठाई? क्या यह भी हमारे शिक्षित समाज के घटते सामाजिक सरोकारों का संकेत नहीं हैं? जिन्हें कल प्रशासन के शीर्ष पदों पर पर जाकर देश की व्यवस्था के निर्माण में भूमिका अदा करना है यदि अगर वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं तो अगर चयनित हो जायेंगे तो वो क्या सुधार करेंगे?

सागर के शाहपुर की घटना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. बंसल और नगर पालिका के अधिकारियों का निलंबन तार्किक है क्योंकि डॉ. बंसल घटना के समय केंद्र में उपस्थित नहीं थे। और बगैर अनुमति के बाहर गये थे। नगर पालिका अधिकारियों की इस अर्थ में जिम्मेवारी बनती है कि उन्हें ऐसे जर्जर मकानों को जिनके मकान मालिक खुद पाँच वर्षों से मकान छोड़कर अलग रह रहे हैं उन्हें गिराना था परंतु उन्होंने अपनी जिम्मेवारी पूरी नहीं की। पर कलेक्टर और एस.पी. की इस घटना में क्या जिम्मेवारी है जिसके कारण उन्हें हटाया गया यह समझ के परे है। दरअसल आजकल सत्ताधीश इतने कमजोर और पक्षपात से ग्रस्त होते हैं कि वे भले ही राजनीतिक कारणों से किसी उच्च अधिकारियों को हटाना चाहते हैं परंतु उनसे सीधा कहने का साहस नहीं करते है। जानकारी मिली है कि सागर के कलेक्टर को तो वैसे ही हटना था क्योंकि आईएएस अधिकारियों की परंपरा अनुसार एक स्थान पर रहने का तीन वर्ष वे पूर्ण कर चुके थे, तथा अपने स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे थे। सागर एस.पी. छुटटी पर शायद विदेश में थे और अपने ट्रांसफर की प्रतिक्षा कर रहे थे। ऐसी एक घटना 1994 में भी घटित हुई थी जब दिग्विजय सिंह जी मुख्यमंत्री थे। उन्होंने रायपुर दौरे पर तत्कालीन कमिश्नर श्री विरदी को यह कहकर (जनसभा से) हटाया था कि राशन वितरण में अनियमितता मिली थी जबकि वास्तविक कारण कुछ और था। पी.डी.एफ के राशन वितरण से कमिश्नर का कोई सीधा संबंध भी नहीं होता है। और अगर इस तर्क को आगे बढ़ाया जाए तो फिर म.प्र. में होने वाली घटनाओं के लिये मुख्य सचिव व मुख्यमंत्री भी जिम्मेदार हैं। क्योंकि उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारी है। यह एक प्रकार का नाटकीय अतिरेक व निर्वाचित सरकारों के मुख्यमंत्रियों की कमजोरी है कि वे अपने बड़े कर्मचारियों (आई.ए.एस./आई.पी.एस.) से न तो सीधा यह कह पाते हैं कि मेरा आप पर विश्वास नहीं है, इसलिये हटा रहा हूँ या उन्हें समझाकर नये निजाम के साथ भी नहीं चल पाते। मीडिया का एक हिस्सा स्वार्थ के लिये, शासकों की (विज्ञापन व रियायतों की प्रत्याशा में) खूब तारीफ करता है, जैसे कोई क्रांति हो गई हो। हालाँकि कुछ समय बाद घूम फिरकर वही अधिकारी फिर वापिस आ जाते हैं। क्या आजतक किसी आई.ए.एस. या आई.पी.एस. की नौकरी प्रशासनिक कारणों से समाप्त हुई है? कम से कम मेरी जानकारी में तो ऐसा कोई प्रकरण नहीं है।

मिट्टी के शिवलिंग बनाने के लिए इन छोटे-छोटे अबोध बच्चों को भेजने वाले आयोजन कमेटी के पदाधिकारी भी इसमें जिम्मेदार हैं जो धार्मिक कार्यों के लिये बच्चों का इस्तेमाल करते हैं और अपना नाम चमकाते हैं। इनके विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है हालांकि इनके अपराध के लिये यह अपर्याप्त ही है। अगर बच्चों से काम कराना अपराध है तो क्या अबोध बच्चों को ऐसे पूजा आदि के कार्य में उपयोग करना अपराध नहीं है? रीवा की घटना भी हमारे समाज व्यवस्था, प्रशासन और न्यायप्रणाली के लिये चुनौती है जो जर्जर दीवारों को भी नहीं हटवा पाती।

घटनाएँ होती हैं, कुछ दिन मीडिया में खबरें छपती हैं, जनता के मन में थोड़ा बहुत आक्रोश भी होता है परंतु कुछ दिनों के बाद लोग सब कुछ भूल जाते है तथा चुनाव के आते-आते सुशासन, शासन ऐसी सभी बातें पीछें चली जाती हैं। और धर्म, जाति, शराब, पैसा सभी प्रभावी हो जाता है, वास्तविक जिम्मेवार तो मतदाता भी हैं।

विश्व आत्महत्या निवारण दिवस

आर के सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज़्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र - छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से IIT/NIT या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (10 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को, ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए ज़रूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आज़ादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ. गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, 'छुप- छुप अश्रु बहाने वालों, जीवन व्यर्थ लुटाने वालों, इक सपने के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता हैं।' सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है। उसे स्वीकार करने में ही भला है ।

जैसा कि मैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।

कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103त्न अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी। महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25 प्रतिशत अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36 प्रतिशत अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ - साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

गड्ढे भी डाई करें बालों की तरह.....

वक्रोक्ति

आशीष सकलेचा

लेखक स्तंभकार हैं।

कहते हैं जो दुसरो के लिए गड्ढा खोदता है वही उसमे गिरता है, परंतु वर्तमान परिदृश्य मे तो बेचारे गड्ढा खोदे बिना ही गड्ढे में गिर रहे है। इसलिए अब यह जरुरी नही की जो दुसरो के लिए गड्ढा खोदे वही उसमे गिरेगा। गड्ढो के बारे मे पढ़कर, सुनकर लगता है यह केवल एक गाँव या शहर की समस्या नही अपितु राष्ट्रीय समस्या है। इसलिए गड्ढो को 'राष्ट्रीय समस्या का दर्जा' दिया जाना चाहिए। नई सड़क पर कुछ ही दिनो मे गड्ढे होना यह सब उसकी देन है । वैसे आप समझ ही गए होगे की यह गड्ढे किसकी देन है और ना भी समझे तो राज को राज ही रहने दो। गड्ढो मे गिरने के कारण दुर्घटना होने पर कुंभ करण की नींद मे सोए सभी गैर (जिम्मेदार) ऐसे जागते है जैसे बेचारे कभी सोए ही नही थे। आनन-फानन मे वे गड्ढे भर दिए जाते है , परंतु कुछ दिन बाद वही हाल होता है जैसे सर के बाल काले (डाई) करने के बाद फिर सफेद हो जाते है। जब सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे होने पर नई सड़क बनती है तब गड्ढे यह गीत गुन गुनाते है कि 'दुख भरे दिन बीते रे भैया'। कुछ माह बितने के बाद वे वापस पुनः उसी दशा मे आ जाते है तो उनके मन से दर्द भरे गीत निकलते है- 'अच्छे दिन बित गए रे भैया' और 'ऐसा क्या गुनाह किया कि हम तो लुट गए।' जैसे प्रकृति का नियम है 'दिन के बाद रात के बाद फिर दिन' वैसे ही शिष्टाचारियों ने भी अपना एक नियम बना दिया है 'सड़क फिर गड्ढे फिर सड़क और फिर गड्ढे ।' इसी क्रम के कारण गड्ढो को 'मन की बात' करते हुए उधर से गुजर रहे एक शिष्टाचारी ने सुना। गड्ढे ने शिष्टाचारी से

कहा 'हमारे नाम पर और कितना खाओगे, अब जरा बस भी करो, खाली हाथ आए थे और खाली हाथ ही जाओगे।' यह सुनते ही वह शर्म से तन गया पर झुका नही। उस शिष्टारी ने बस इतना सा कहा कि 'जब तक समोसे मे रहेगा आलू शिष्टाचार रहेगा चालू।' यह सुनते ही सभी गड्ढो के आंखो मे से आंसु निकल आए और पुरी गड्ढो वाली सड़क तालियो की गड़गड़ाहट से गुंज उठी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

स्मृति शेष

पत्रकारिता का यूँ गुजर जाना...

शांतिलाल जैन

लेखक स्तंभकार हैं।

दुःखी मन से स्मृति शेष लिखने बैठा हूँ. पत्रकारिता के अवसान की घटना सामान्य नहीं है. अभी समाज को उसकी जरूरत थी, दुःखद है कि वह अब हमारे बीच नहीं रही.

यूँ तो आर्यावर्त में लगभग दो सौ साल का जीवन जिया था उसने लेकिन उसके असमय चले जाने से जो स्थान रिक्त हुआ है उसकी क्षतिपूर्ति कर पाना मुश्किल है. हालाँकि कुछ सिरफिरे और जिद्दी पत्रकार टाईप लोग यू ट्यूब और इन्टरनेट पर उसकी याद को जिलाए रखने की कोशिश कर रहे हैं मगर वे इम्फ्लुएंस नहीं कर पा रहे. और जो इम्फ्लुएंसर हैं उन्होंने उसका पुनर्जन्म नहीं होने देने की सुपारी ले रखी है. उसने आर्यावर्त में, कलकत्ता में, 1826 में जन्म लिया मगर दम तोड़ा नई दिल्ली के बहादुरशाह ज़फर मार्ग की प्रेसों में, मंडी हाउसों में, नॉएडा के स्टूडियोज़ में.

बीमार थी. दो तीन दशकों से. पिछले एक दशक में कुछ ज्यादा सीरियस हो गई थी. डॉक्टरों ने जवाब दे दिया था. रिपोर्टर्स विदाऊट बॉर्डर्स की पैथ लैब से जाँच करवाई. रिपोर्ट में फ्रीडम का लेवल 180 आया. ये जानलेवा मानक से काफी ऊपर था और बढ़ता ही जा रहा था. फॉरेन तक के डॉक्टरों ने जवाब दे दिया. पेशेंट के तौर पर वह बिलकुल कोऑपरेट नहीं कर रही थी. टॉक्सिक्स अन्दर ही अन्दर बढ़ते जा रहे थे. निज़ाम ने ईलाज के जो इंतज़ामात किए उससे दाल और पतली होती चली गई. समझ में नहीं आया कि निज़ाम तबीयत ठीक करने में लगा है कि बिगाड़ने में.

बहरहाल, सिम्पटम्स तो बहुत समय पहले से उभरने लगे थे. पाठकों की अखबारों में, समाचार चैनलों में घटती रूचि, छीजता भरोसा, समाचारों की शक्ल में परोसे गए विज्ञापन, खरीदे गए न्यूज स्पेस के गोल गोल लाल चकते पूरे शरीर पर उभर आए थे. लग रहा था कि अब ये बचेगी नहीं. शरीर अलग पीला पड़ता जा रहा था. यलो जर्नालिज्म डायग्नोस हुआ. दुलीचंद बैद से चूने के पानी में संपादकों के हाथ धुलवाए, संवाददाताओं को सलीम मियाँ से झड़वाया, फोटो जर्नलिस्ट को तेजाजी महाराज की पाँच जात्रा करवाई, मगर कोई फायदा नहीं हुआ. हेपेटाईटिस वायरस के पॉलिटिकल वेरियंट ने उसका लीवर इतना खराब कर दिया था कि होम्योपैथी, आयुर्वेदिक, यूनानी कोई पैथी काम नहीं आई. एडिटर्स गिल्ड के मंदिर में ले गए, मन्नत मानी, न्यूज ब्रॉडकास्टर एंड डिजिटल एसोसिएशन के दरबार में ले गए वहाँ भी कृपा नहीं बरसी. कोई मंदिर, ओटला, मज़ार, बाबाजी का दरबार नहीं छोड़ा जहाँ ले नहीं गए. बिगड़ती सेहत का असर उसके दिमाग पर भी आ गया था. फिर उसे हिस्टीरिया के दौरे पड़ने लगे. रात नौ बजते ही वो जोर जोर से चिल्लाने लगती. प्राईम टाईम में बेसिरपैर के सवाल पूछती, आधे सच्चे आधे झूठे फेक्ट्स रखने लगती. कभी कभी पैनलिस्टों से गाली गलौच पर उतर आती. लोगों का मानना था कि उस पर निज़ाम की प्रेत-छाया है. किसी ने बताया प्रेस परिषद् के ओटले पे ले जाओ. बाबाजी कोड़े मार कर ऊपरी हवा का ईलाज करते हैं. ले गए साहब, वहाँ भी कुछ नहीं हुआ. प्रेस परिषद् के पास कोड़ा था ही नहीं, 'कंडेम' करने का परचा लिख कर उनने घर भेज दिया.

एक बार उसको दिमाग के डॉक्टर को भी दिखाया. मनोचिकित्सक. उसने बताया कि वो डर गई है. जब निज़ाम ने कुछ को अन्दर किया, कुछ के विज्ञापन रोक दिए, कुछ के मोबाइल, लैपटॉप जब्त किए तो किसी किसी को जहन्नुम का रास्ता दिखाया तब फियर सायकोसिस का शिकार हो गई. इस कदर कि उसने 'फेक्ट' और 'फेक' में अपने विवेक का इस्तेमाल करना छोड़ दिया, पॉवरफुल का 'फेक' भी 'फेक्ट' नुमा आने लगा और पॉवरलेस का 'फेक्ट' भी 'फेक' की शक्ल में. मुझे याद है एक बार आईसीयू में थोड़ा सा एकांत पाकर उसने कहा था कि वह ईमानदार काम करना चाहती है मगर कर नहीं पा रही. थोड़ी ईमानदार कोशिश की, 'गोंजो पत्रकारिता' करने से इंकार कर दिया तो उसे हैक, प्रेस्टीट्यूट और न जाने क्या क्या कहा गया. बड़ा सदमा तब लगा जब उसे कंटेंट राइटर, कंटेंट मैनेजर कहा गया. शायद यही उसके डीप-डिप्रेशन में जाने की वजह रही होगी. जितने मुँह उतनी बातें साहब. कोई कोई कहते कि रोज़मर्रा की खुराक की जिम्मेदारी बदलने से उसकी सेहत बिगड़ी. कभी उसे खाना-खुराक स्वतंत्र मिडिया हाऊस दिया करते थे, फिर यह जिम्मा कार्पोरेट्स से होते हुए कांग्लोमरेट्स तक आ गया.

अन्दर की बात तो ये साहब कि उसको नशे लत लग गई थी. प्रॉफिट के नशे में रहने के लिए उसने टीआरपी नाम का ड्रग लेना शुरू कर दिया था. एडिक्ट हो गई थी. वो चौबीस घंटे टीआरपी की तलाश में रहती. थोड़ी भी नशा उतरा कि फिर जोर जोर से चिल्लाने लगती, वायलेंट हो जाती, हाथ पैर मारने लगती, पुड़िया खरीदने के लिए नैतिक अनैतिक कुछ नहीं देखती. नशा खरीदने के लिए उसने अपनी कलम तक गिरवी रख दी. पैथोलॉजिस्ट ने कहा कि टीआरपी के नशे की लत से उसका मस्तिष्क गल गया है. तो मरना तो था ही. मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर हो चुकने के बाद भारी मन से उसे मृत घोषित करना पड़ा.

उसके अवसान की वजह एक रही हो या एक से ज्यादा, सच तो यह है कि वह अब हमारे बीच नहीं हैं. दो शताब्दी पूर्व आर्यावर्त के नभ पर जिस 'उदंत मार्तण्ड' का उदय हुआ था वह अब अस्त हो गया है. हमारी सेहत का दारोमदार उसके स्वास्थ्य पर टिका था. पता नहीं लोकतान्त्रिक समाज के तौर पर उसके बिना हम स्वस्थ कैसे रह पाएँगे? उसे विनम्र श्रद्धांजलि.

दृष्टिकोण

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

विनेश का राजनीति में जाना नई उम्मीद का बनना

विनेश फोगाट का नाम कुश्ती की दुनिया में बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। हरियाणा के फोगाट परिवार से ताल्लुक रखने वाली विनेश, जिन्होंने कुश्ती की विरासत को आगे बढ़ाया और कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, विनेश ने लगातार अपना प्रदर्शन सुधारते हुए विश्व कुश्ती चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में भी अपनी जगह बनाई। विनेश की पहचान एक मजबूत और निडर खिलाड़ी के रूप में है, जिन्होंने कभी हार नहीं मानी, चाहे उनके सामने कितनी भी मुश्किलें क्यों न आई हों। 2016 के रियो ओलंपिक में घुटने की गंभीर चोट के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी की। उनकी इस यात्रा ने उन्हें देशभर में एक प्रेरणास्रोत बना दिया, खासकर उन लड़कियों के लिए जो खेल में करियर बनाने का सपना देखती हैं।

विनेश फोगाट का नाम कुश्ती की दुनिया में बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। हरियाणा के फोगाट परिवार से ताल्लुक रखने वाली विनेश, जिन्होंने कुश्ती की विरासत को आगे बढ़ाया और कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, विनेश ने लगातार अपना प्रदर्शन सुधारते हुए विश्व कुश्ती चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में भी अपनी जगह बनाई।

विनेश की पहचान एक मजबूत और निडर खिलाड़ी के रूप में है, जिन्होंने कभी हार नहीं मानी, चाहे उनके सामने कितनी भी मुश्किलें क्यों न आई हों। 2016 के रियो ओलंपिक में घुटने की गंभीर चोट के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी की। उनकी इस यात्रा ने उन्हें देशभर में एक प्रेरणास्रोत बना दिया, खासकर उन लड़कियों के लिए जो खेल में करियर बनाने का सपना देखती हैं।

हालांकि, विनेश फोगाट का राजनीति में जाना एक ऐसा कदम है जिसने कई खेल प्रेमियों को आश्चर्यचकित कर दिया है। राजनीति और खेल के बीच संबंध नया नहीं है; कई खेल सितारे राजनीति में गए हैं। लेकिन विनेश फोगाट के राजनीति में प्रवेश ने खेल प्रेमियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया है क्योंकि उन्हें यह उम्मीद थी कि वह आने वाले समय में भी देश के लिए और पदक जीतेंगी।

विनेश का राजनीति में जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके पास खेल और सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता है। उनका यह कदम राजनीति में सकारात्मक बदलाव लाने का हो सकता है। वह खेल, महिला सशक्तिकरण, और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दों पर काम कर सकती हैं। लेकिन इस बदलाव से जो लोग उनकी कुश्ती की सफलता और भविष्य की उम्मीदों से जुड़े थे, उन्हें भारी निराशा हुई है।

कुश्ती प्रेमियों और फैंस के लिए यह खबर किसी सदमे से कम नहीं थी। वे विनेश को आने वाले ओलंपिक और अन्य महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहते थे। कई लोग मानते हैं कि विनेश की उम्र और अनुभव उन्हें और अधिक पदक जिताने के लिए उपयुक्त बनाते हैं। उनके राजनीति में जाने से लोगों को यह चिंता सताने लगी है कि वे अब खेल से दूर हो जाएंगी और देश का एक बड़ा खेल प्रतिभा खो देगा।

खेल में विनेश की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उनकी खास पहचान और जुनून की बराबरी करना मुश्किल है। उनके फैंस, जो उन्हें खेल के मैदान पर देखना चाहते थे, खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। विशेषकर उन युवा खिलाड़ियों के लिए, जो विनेश को अपना आदर्श मानते थे, यह एक बड़ा झटका है।

विनेश का राजनीति में प्रवेश सकारात्मक बदलाव की दिशा में देखा जा सकता है, यदि वह अपनी पहचान और अनुभव का उपयोग सामाजिक कल्याण और विकास के लिए करें। खेल और राजनीति दोनों ही समाज पर गहरा प्रभाव डालते हैं, और विनेश का यह कदम कई मायनों में एक नई शुरुआत हो सकती है।

हालांकि, सवाल यह है कि क्या यह सही समय था? क्या विनेश को पहले खेल में अपने करियर को और आगे बढ़ाना चाहिए था, और फिर राजनीति में प्रवेश करना चाहिए था? यह सवाल आज कई लोगों के मन में है। उनके इस फैसले ने उनके फैंस को निराश किया है, लेकिन अगर वे राजनीति में भी उसी मेहनत और समर्पण से काम करेंगी, जैसा उन्होंने कुश्ती में किया है, तो शायद समय के साथ लोग उनके इस कदम को भी सराहना शुरू कर दें।

विनेश फोगाट का कुश्ती से राजनीति में जाना एक बड़ा बदलाव है, जो खेल प्रेमियों और उनके फैंस के लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है। उनकी सफलता की कहानी ने करोड़ों दिलों को छुआ है, और उनके इस फैसले ने उन दिलों को तोड़ भी दिया है। फिर भी, यह देखना दिलचस्प होगा कि वह राजनीति के क्षेत्र में कैसे काम करती हैं और क्या उनके इस नए सफर से देश को सकारात्मक लाभ मिलेंगे। आखिरकार, विनेश फोगाट का फैसला उनका निजी है, और हम सभी को उम्मीद है कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां भी अपनी चमक बिखेरेंगी, जैसा उन्होंने खेल के मैदान में किया है।

विचार

देवेन्द्रसिंह सिसौदिया

लेखक स्तंभकार हैं।

सामाजिक वर्जनाओं एवं आत्म नियंत्रण से रुकेंगे अपराध

कोलकाता की घटना कोई पहली घटना नहीं है। ऐसी घटनाएं पूरे देश को झकझोर देती है और हमारे समक्ष प्रश्न खड़ा कर देती है कि एक व्यक्ति इतना अधिक वहशी कैसे हो जाता है ? इस घटना के पीछे क्या कारण है, कौन इसके पीछे है, किसने इसे करवाया, क्यों करवाया, वो सभी अपनी जगह है लेकिन कैसे कर दिया ? यह प्रश्न बड़ा ही चिंतनीय और शोध का है । करने वाले के अंदर क्या संवेदनशीलता नहीं थी ? उसका मन इतना बर्बर कार्य करने के लिए कैसे तैयार हो गया? ऐसे अनेक प्रश्न है जो मनोवैज्ञानिकों के समक्ष एक चुनौति है ।

मन कहाँ है, वो कैसा है, वो कैसे काम करता, वो किसके नियंत्रण में है, क्या उसे किसी ने देखा ...? इन प्रश्नों का किसी के पास कोई जवाब नहीं । बस यह कहा जाता हैं कि मन बड़ा चंचल है। आश्चर्य की बात है जिसका कोई भौतिक स्वरूप नहीं वही हमको लौकिक और अलौकिक रूप से प्रभावित और नियंत्रित करता है। आपका मन जो चाहता है वही आप करते है । मन के निर्माण के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील होना चाहिए । मन का निर्माण की प्रक्रिया माँ के गर्भ में जब भ्रूण विकसित होने लगता है और उसमें प्राण की प्रतिष्ठा होती है तब से ही प्रारम्भ हो जाती है । अभिमन्यु का चक्रव्यूह भेदना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है । शास्त्रों में ऐसे कई दृष्टांत हमें इस बात का संकेत करते हैं कि गर्भ के समय से माँ को एक श्रेष्ठ संतान के चरित्र के निर्माण हेतु सतर्क रहना चाहिए ।

मन के संदर्भ में कबीर दास जी ने कहा है ? -

कबीर मारूं मन को, टूक-टूक है जाइ।
बिव की क्यारी बोइ करि, लुणत कहा पछिताइ।।

अर्थात् जी चाहता है कि मन को पटक कर ऐसा मारूँ, कि वह चकनाचूर हों जाये। विष की क्यारी बोकर, अब उसे भोगने में क्यों पश्चाताप करता है? जी हाँ यही होता है हम अपने मन पर नियंत्रण नहीं रखते हैं और बलात्कार व हत्या जैसे दुष्कर्म कर बैठते हैं । मन के माध्यम से शारीरिक, भौतिक, अध्यात्मिक, धार्मिक समस्याओं का हल निकाला जा सकता है । जब सब कुछ हमारा मन ही करता है तो फिर मन को स्वस्थ रखना जरूरी है। वो कैसे रखा जाए यह बहुत महत्वपूर्ण है। उसे स्वस्थ रखने के लिए हमारी सोच को सकारात्मक और समरस रखना होगा । हमें काम, क्रोध, मोह , मद एवं अहंकार को त्याग कर आत्मविश्लेषण करना होगा और संस्कृति और संस्कारों की कसौटी पर कसना होगा। मन ही आत्मा और शरीर के मध्य सेतु का काम करता है । जैसा हम सोचेंगे वैसे ही हमारे मन को दिशा मिलेगी...

मनो यस्य वशे तस्य भवेत्सर्वं जगद्वशे।
मनसस्तु वशे योऽस्ति स सर्वजगतो वशे॥

अर्थात जो व्यक्ति मन पर नियंत्रण कर लेता है वो पूरी दुनिया को नियंत्रित करता हैं और जो मन के नियंत्रण में रहता है वह पूरी दुनिया के नियंत्रण में रहता हैं। इसीलिए मन की चंचलता पर नियंत्रण रखना होगा । यदि मन स्थिर नहीं रहा तो वो निराशा का शिकार होगा और अवसाद (डिप्रेशन) एवं आत्मघात जैसी अवस्था का सामना करेगा । इस स्थिति में वो समाज के लिए खतरनाक हो जाता है और जघन्य कार्य करने में पीछे नहीं हटता है । नशे का आदी हो जाता है और उसी बात का अन्य गैर सामाजिक तत्व फायदा उठा कर इस प्रकार के बर्बर कार्य करवाते हैं । मन की चंचलता पर नियंत्रण हेतु हमें ध्यान का सहारा लेना होगा जो मन को शांत और स्थिर रखने में सहायक होगा ।

मन का प्रभुत्व इस सृष्टि में मानव जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है वो इसका सदुपयोग कर मुक्ति और मोक्ष प्राप्त कर सकता है तो वही दुरुपयोग से नारकीय जीवन के ओर बढ़ सकता है । मन का सही विकास ही मनुष्य का समग्र विकास है और मन का पतन उसके नैतिक पतन का कारण बन सकता है। क्योंकि मन के भीतर उठे विचार ही शरीर की इंद्रियों को संचालित करते हैं इसलिए मन को हमें प्रशिक्षित करना होगा ताकि उसका सौंदर्य जीवन को सौंदर्य और आनंदमय बना दें ।

ऐसी बर्बर घटना न हो इस हेतु कानून में फांसी जैसे कड़े दण्ड तो है पर केवल दण्ड से घटनाएं रुकने वाली नहीं है क्योंकि जब व्यक्ति जोश या नशे में होता है जब उसे न तो कानून याद रहता न ही सजा। इस हेतु हमें घर, परिवार, समाज व कार्य स्थल पर ऐसा वातावरण निर्मित करना होगा कि ऐसे कुविचार किसी के मन में आए ही नहीं । इस हेतु एक दूसरे पर कड़ी नज़र रखना होगी और जैसे ही किसी के व्यवहार में असामान्यता नज़र आए तो उसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों या परिवार के सदस्यों तक करना होगी ताकि उसे वहीं रोका जा सके और सही दिशा में परिवर्तित किया जा सके । नैतिक मूल्यों का निरंतर ह्रास हो रहा है । नई पीढ़ी पर नियंत्रण और सामाजिक वर्जनाओं के माध्यम से हम ऐसे अपराधों को रोक सकते हैं ।

'घूम घुमंतू' : यात्राओं के संस्मरण !

समीक्षा

प्रकाश कान्त

समीक्षक

यात्रा संस्मरण अपेक्षाकृत नई विधा है। और बाक़ी विधाओं से तुलनात्मक रूप से ऐसे संस्मरण कम लिखे गये हैं। वैसे, पुराने वक्तों में विदेशी यात्री आते-जाते रहे हैं। मेगस्थनीज, फाह्यान, ह्वेनत्सांग (आम प्रचलित नाम!) वगैरह इसी तरह के यात्री थे। उन्होंने अपने यात्रा वर्णन भी लिखे। वे मूलतः यात्रा संस्मरण ही थे जो बाद में ऐतिहासिक दस्तावेज़ बन गये। इतिहास को जानने के महत्वपूर्ण एवं प्रामाणिक स्रोत! हालाँकि उन्हें लेकर बहसें भी रहीं। संसार के दीगर देशों में भी यात्रियों की इस तरह की आवा-जाही जारी रही। इधर ट्रेवलाग लिखे जाने का चलन बढ़ा है। जिसमें अक्सर सतही और सामान्य किस्म की मौज-मस्ती देखने को मिलती है। ख़ैर।

अंतिम यात्रा को छोड़कर यात्राएँ तीर्थयात्रा सहित कई तरह की होती रही हैं। एक यात्रा अंतरयात्रा भी होती है। जिसकी धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में काफ़ी चर्चा हुआ करती है। एक तरह से वह दर्शन का विषय रही है। उसके अपने अनुभव बताये जातें हैं। गोविन्द सेन की यह पुस्तक उसकी नहीं बल्कि बहिर्यात्रा की बात करती है। यह यात्रा मोटे तौर पर उनकी दक्षिण भारत की यात्रा पर केन्द्रित है, मध्यप्रदेश के रामगढ़ जैसी एकाध यात्रा को छोड़कर!

यह कहना बिल्कुल सही है की अगर हम ईमानदारी से यात्रा करना चाहें तो वह ठीक अपने पास से शुरू हो सकती है। जीवन में समय कम होता है और देखने-महसूस करने को अनंत! भले ही कोई जीवन-भर घूमता रहे! बेशक यह बहुत कुछ दार्शनिक किस्म की उक्ति है लेकिन सच से ज़्यादा दूर भी नहीं है।

राहुल सांकृत्यान ने बहुत यात्राएँ की थीं। उनकी तिब्बत यात्राएँ प्रसिद्ध रहीं हैं जिनमें वे अपने साथ बौद्ध धर्म के अनुपलब्ध ग्रन्थों की पांडुलिपियाँ खच्चरों पर लाद कर भारत लाये थे।

यात्रा संस्मरण सिर्फ़ स्थानों और दृश्यों के स्थूल ब्यौरे नहीं होते। हालाँकि, कभी-कभी इसी तरह की स्थूलता देखने-पढ़ने को मिला भी करती है। असल चीज़ होती है उन्हें उनकी सम्पूर्णता में महसूस करना! तभी संस्मरण एक कृति का दर्जा हासिल कर पाते हैं। इस पुस्तक के आलेखों से गुजरते हुए इसे अनुभव किया जा सकता है। दक्षिण भारत के विभिन्न स्थानों की अपनी-अपनी विशेषताएँ रही हैं। वे ही उन स्थानों की ख़ास पहचानें भी रहीं! बारिशें, समुद्र, मन्दिर, नारियल के पेड़ और दूसरी चीज़ें! वे इन तमाम चीजों को तो दर्ज करते ही हैं साथ ही, उन अनुभूतियों को भी जो उन्हें वहाँ होते हुए होती रहीं।

अपनी इन यात्राओं में वे दक्षिण भारत के कई स्थानों पर गये। वर्धा, सेवाग्राम, हिंदी विश्वविद्यालय, साठ साल में पहली बार समुद्र, कोच्चि, अलेप्पी, मुन्नार, मैसूर, कर्नाटक का कश्मीर कुर्ग, बेलूर, अंतरगंगे! इन जगहों की न सिर्फ़ सुन्दरता बल्कि स्थानीय विशेषता और उनके ऐतिहासिक महत्त्व भी इन आलेखों में दर्ज हुए हैं। और ऐसा सिर्फ़ सूचनात्मक स्तर पर नहीं हुआ है, ना ही महज छायांकन के स्तर पर! सतही पत्रकारिता भी वहाँ नहीं है। जबकि इस तरह के ख़तरे ऐसे संस्मरणों में आम तौर पर हुआ करते हैं। स्वयं कवि-कथाकार होने के चलते गोविन्द सेन के पास जिस तरह की संवेदनात्मक दृष्टि रही है उसे इन संस्मरणों में देखा जा सकता है। पांडिचेरी अपने अरविन्द आश्रम और वहाँ की सांस्कृतिक संरचना के लिए विशेष रूप से जानी जाती है। वहाँ के मकानों की बनावट सहित पूरी सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना पर फ्रेंच संस्कृति का गहरा असर रहा है। जो साफ़ दिखाई देता है। पुस्तक के लम्बे आलेख में कई छोटे-बड़े ब्यौरों के साथ यह सब दर्ज हुआ है। यही सब जब वे तमिल भाषा और संस्कृति के बारे में लिखते हैं तब देखा जा सकता है। ऐसी जगहों पर उन्हें बीच-बीच में अपना अजनबीपन भी महसूस होता रहा है। ओरेविल के बारे में वहाँ की कई चीज़ों को बहुत आत्मीयता के साथ महसूस करते हुए लिखा गया है। उसे एक लघु विश्व के रूप में देखते हुए! वहाँ के खान-पान, रहन-सहन इत्यादि सबके बारे में! यहाँ की जगहें, चीज़ें देखते वक़्त उन्हें दूसरी जगहें और वहाँ देखीं चीज़ें भी याद आती हैं। उनकी यात्रा तब अलग-अलग दिशाओं में भी होने लगती हैं। प्राकृतिक सुन्दरता के साथ-साथ उन्हें पुरानी इमारतें भी देखने को मिलीं। मैसूर का महल अपनी सुन्दरता और भव्यता के लिए चर्चित रहा है। इन दोनों पर विस्तार से लिखा गया है।

कुर्ग को कर्नाटक का कश्मीर कहा जाता है। कुर्ग पर आलेख में उसे इसी नज़रिए से देखने की कोशिश की गयी है। बेलूर पर लिखे संस्मरण में वहाँ की स्थानीयता के विभिन्न रंगों को समेटा गया है।

कुर्ग को कर्नाटक का कश्मीर कहे जाने की तरह ही अंतरगंगे को दक्षिण का काशी कहा जाता है। धार्मिक महत्व के कारण! इस सिलसिले में वहाँ के मन्दिर सहित बहुत सारी स्थानीय विशेषताओं का उल्लेख संस्मरण में हुआ है।

स्थान-विशेष की एक-दो यात्राओं के साथ आम तौर पर दिक्क़त यह रहती है कि उसे समूचा एक साथ देखा और महसूस नहीं किया जा पाता, बहुत सारा रह और छूट जाता है। गोविन्द सेन अपने इन संस्मरणों में अधिकाधिक को समेट पाये हैं। इनमें एक ख़ास तरह की पारिवारिकता भी है। अकेलापन नहीं!

किताब : घूम घुमंतू (यात्रा संस्मरण)
लेखक : गोविन्द सेन
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली-12
मूल्यः 225 रुपये

भारत की मध्यस्थता और रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की राह

श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।' भारत की तटस्थ विदेश नीति भी इसी सिद्धांत पर आधारित है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने न किसी पक्ष का खुला समर्थन किया, न ही पूरी तरह से तटस्थता की ओर झुका, बल्कि शांति और संवाद की अपील की। इसी नीति के कारण रूस ने भारत को मध्यस्थता की संभावनाओं में प्रमुख भूमिका देने की बात कही है। हालांकि, इस वैश्विक मंच पर भारत की पहली और सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता अपने नागरिकों की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना है। किसी भी अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका निभाते समय, भारत के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उसकी अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा पर कोई समझौता न हो। भारत अपने लोगों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, कूटनीतिक समाधान की दिशा में बढ़ने का प्रयास करेगा।

उच्च शिक्षा

कार्तिकेय चौरसिया

वसुधैव कुटुम्बकम्–दुनिया एक परिवार है, और यही सोच भारत की कूटनीति का आधार रही है। जब रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक शांति को चुनौती मिल रही है, तो इस उथल-पुथल के बीच भारतीय कूटनीति एक नई दिशा में बढ़ रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भारत, चीन और ब्राजील को मध्यस्थता का प्रस्ताव देने के बाद, वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।' भारत की तटस्थ विदेश नीति भी इसी सिद्धांत पर आधारित है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने न किसी पक्ष का खुला समर्थन किया, न ही पूरी तरह से तटस्थता की ओर झुका, बल्कि शांति और संवाद की अपील की। इसी नीति के कारण रूस ने भारत को मध्यस्थता की संभावनाओं में प्रमुख भूमिका देने की बात कही है।

हालांकि, इस वैश्विक मंच पर भारत की पहली और सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता अपने नागरिकों की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना है। किसी भी अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका निभाते समय, भारत के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उसकी अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा पर कोई समझौता न हो। भारत अपने लोगों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, कूटनीतिक समाधान की दिशा में बढ़ने का प्रयास करेगा।

भारत की यह कूटनीतिक यात्रा अचानक शुरू नहीं हुई। पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने जिस वैश्विक कूटनीति की पृष्ठभूमि गढ़ी, उसे अटल बिहारी वाजपेयी ने धरातल पर उतारा। वाजपेयी ने भारत को एक नई कूटनीतिक दिशा दी, जहां उन्होंने भारत की छवि को दुनिया के सामने एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद, डॉ. मनमोहन सिंह ने इस नीति को आगे बढ़ाया और वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मंच पर भारत की भूमिका को सुदृढ़ किया। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कूटनीति को द्रुत गति दी है, जहां भारत न केवल एक तटस्थ मध्यस्थ के रूप में उभर रहा है, बल्कि एक वैश्विक शक्ति के रूप में भी मान्यता प्राप्त कर रहा है।

भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित किया, तो वहीं यूक्रेन को मानवीय सहायता भी भेजी। यह संतुलन भारत की कूटनीति को न केवल मजबूत करता है, बल्कि वैश्विक मंच पर उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करता है। पुतिन का भारत को मध्यस्थता का प्रस्ताव इसी संतुलनकारी दृष्टिकोण की स्वीकृति है।

गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।' यानी, धर्म और सत्य की ओर बढ़ना ही सच्चा कर्तव्य है। आज जब दुनिया युद्ध और अशांति से जूझ रही है, भारत की तटस्थता और मध्यस्थता का प्रयास उसी सत्य और धर्म का पालन करता प्रतीत हो रहा है।

हालांकि, यह प्रस्ताव उतना आसान नहीं है जितना दिखता है। यूक्रेन और पश्चिमी देशों का दृष्टिकोण भी इस पर निर्भर करेगा। यदि भारत इस मध्यस्थता को स्वीकारता है, तो उसे दोनों पक्षों के बीच विश्वास और निष्पक्षता को बनाए रखना होगा। यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा, लेकिन भारत की तटस्थ नीति और प्राचीन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की सोच उसे सही दिशा में ले जा सकती है।

भारत के लिए यह अवसर केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा के तहत, भारत दुनिया को शांति और संवाद का संदेश दे सकता है, लेकिन साथ ही उसकी पहली प्राथमिकता यहाँ के लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा करना है। यही संतुलन भारत की कूटनीति को विशिष्ट और प्रभावी बनाता है।

वर्ल्ड फिजियोथेरेपी-डे पर आयोजित किया नि:शुल्क उपचार प्रशिक्षण शिविर

बैतूल। शहर के सदर क्षेत्र में स्थित आरोग्यम फिजियोथेरेपी क्लीनिक एवं न्यूरो रिहैबिलिटेशन सेंटर पर रविवार 08/09/2024 को वर्ल्ड फिजियोथेरेपी-डे के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मरीजो को फिजियोथेरेपी प्रशिक्षण के साथ-साथ पौधे भी भेंट किए गए। इस अवसर पर आज साईं आरोग्यम फिजियोथेरेपी क्लिनिक के संचालक डॉ. संदीप परिहार के द्वारा मरीजों को निःशुल्क उपचार व प्रशिक्षण के साथ ही आज के जीवन शैली में स्वास्थ्य समस्या को एक्सरसाइज से कैसे ठीक किया जा सकता है ? इसके बारे में बताया गया। मरीजों को फिजियोथेरेपी का महत्व बताते उन्होंने इस अवसर पर कहा कि फिजियोथेरेपी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से राहत प्रदान करती है, फिजियोथेरेपी में व्यायाम के साथ-साथ ही इलेक्ट्रोथेरेपी से मरीजों का उपचार किया जाता है, जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है और इसके लिए दवाइयों की आवश्यकता भी नहीं होती। उन्होंने बताया कि वे लगातार शिविर के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास कर रहे हैं, उनके द्वार बहुत सारे मरीजों का फिजियोथेरेपी उपचार किया जा चुका है, जिसमे ऐसे भी मरीज उनके पास आए, जो पूरी तरह से ठीक होने की उम्मीद छोड़ चुके थे, इनमे एक महिला जिनको पैरालिसिस हो गया था, उनका उपचार अस्पताल में हुआ, उसके बाद घर लेकर चले गए तो उसको कोई मूवमेंट नहीं, सब जगह दिखाया, उसके बाद दो महीने की फिजियोथेरेपी कराई, आज वो खुद चल पा रही है और अपना काम खुद कर पा रही है।

स्वस्थ एवं अधिक सक्रिय जीवनशैली में मदद करती है फिजियोथेरेपी- सीनियर फ़िज़ियोथेरेपिस्ट डॉ.संदीप परिहार ने बताया कि फिजियोथेरेपी द्वारा व्यायाम के साथ इलेक्ट्रोथेरेपी से उपचार संभव होता है। जैसे कि जन्म से विकलांग बच्चों की फिजियोथेरेपी, सिरदर्द व कैंसर ऑपरेशन के लिए फिजियोथेरेपी, नसों एवं मांसपेशियों का उपचार, गर्दन व कंधे का दर्द, एड़ी एवं घुटनों का दर्द (आर्थराइटिस), स्ट्रोक (लकवा) व चेहरे का लकवा, डिस्क खिसकना एवं साइटिका, झुनझुनी आना एवं सुन्नपन होना, मांसपेशियों का दर्द एवं खिंचाव, माइग्रेन, सी.पी. चाइल्ड व जन्मजात विकृति, गठिया, लिगामेंट इंजरी का इलाज जैसी अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का स्थाई समाधान फिजियोथेरेपी से ही है। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के अवसर पर प्रमुख रूप से आर.आई. बैतूल श्री सिरसाम, यूनाइटेड हेल्थ वर्क्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडिया संभागाध्यक्ष डॉ. योगेश पवार सहित मरीजों व फिजियोथेरेपी सेंटर के स्टाफ ने मिलकर यह फिजियोथेरेपी-डे सेलिब्रेट किया।

वसंत इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, मुलताई में मनाया शिक्षक दिवस

बैतूल। वसंत इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, मुलताई के तत्वाधान में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक सम्मान समारोह 2024' कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रोफेसर खेमराज मगरदे (पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी) जयवंती हक्सर महाविद्यालय बैतूल, कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे (पूर्व मंत्री) विशिष्ट अतिथि कांतु दीक्षित (ज्योतिषाचार्य बैतूल), प्रमोद अग्रवाल, (समाजसेवी बैतूल) नरेंद्र ठाकुर, (पूर्व प्राचार्य एवं वरिष्ठ खिलाड़ी) की उपस्थिति में संपादित किया मुलताई एवं प्रभात पट्टन विकासखण्ड से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 55 शिक्षकों को श्रीफल, शॉल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र के द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमे नरेश दरवाई, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल, बघोड़ा, श्रीमती पार्वती कसारे, भोजराव झोड़, हरिराम चरपे, हुकुमचंद लोखंडे, पंजाबराव देशमुख, रविशंकर पारखे, सम्पति पाटनकर, उमेश माकोडे, बीनेश इवने, श्रीमती टोमेशलता दियावार, सावन्या डढोरे, पंजाब सिंहनगदे, श्रीमती सुकिया सलामे, गुलाब बरखाने, दिनेश अतकरे, कमलेश धुर्वे, श्रीमती सीमा उईके, कैलाश अहाके, माधोराव धोटे, शिवराम उईके, सुखराम नागले, सुभाष अंबुलकर, धनराज घोड़की, प्रभू अड़लक, गणपत करोले, बजरंग कुमरे, प्रदीप किथहा, श्रीमती ममता पवार, श्रीमती लता चौधरी, श्रीमती उमाबाई देशमुख, सुदामा कुमरे, श्रीमती शुशीला खाड़े, सतीश रघुवंशी, श्रीमती दीपा बारंगे, चिंताराम बनखेड़े, गुलबराव मालवीय, श्रीमती संगीता पवार, श्री अर्जुन पंडाग्रे शामिल हैं।

बैतूल के पंकज मुनि हिमाचल के मणि कैलाश में कर रहे तपस्या

बैतूल। त्यागी तपस्वी और संसार से विरक्त साधु संतों की कठोर तपस्या और भक्ति का ही प्रभाव है की आज हमारे सनातन धर्म का संतुलन बना हुआ है। ऐसे विकट परिस्थिति में अगर कोई त्यागी संत तपस्या में लीन होकर दिखाई देते है तो ऐसा लगता है मानो प्रकृति ने

अपना वास्तविक रूप दिखला दिया है क्योंकि प्रकृति का संतुलन भी साधु संतों की तपस्या से ही बना हुआ है। अगर इस संसार में साधक आराधक नही होते तो यह पृथ्वी कब का रसातल में समा जाती।इन दिनों बैतूल के एक संत चर्चा में है। जिले के रहने वाले पूज्य संत श्री काली घोड़ी वाले बाबा के प्रिय शिष्य पंकज मुनि फक्कड़ बाबा इन दिनों हिमाचल प्रदेश के मणि कैलाश पर्वत पर घनघोर तपस्या में लगे है। लोग बड़ी संख्या में उनके दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे है। ज्ञात रहे फक्कड़ बाबा पंकज मुनि ने कालीघोड़ी के घने वनों में कई कई दिन निराहार रहकर साधना कर अपने आप को परिपक्व बनाया। ऐसे तपस्वियों के दर्शन बड़े दुर्लभ है जो लोगो में सत्य सनातन धर्म के विषय में जागरूकता लाने का कार्य भी कर रहे है।

महाकाल लोक में 16 फीट ऊंचे महाकाल के राजा की स्थापना धूमधाम के साथ की गई

बैतूलबाजार। धार्मिक नगरी में गणेश चतुर्थी पर महाकाल लोक में महाकाल के राजा गणेशजी की 16 फिट ऊंची प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा शनिवार बड़े ही धूमधाम के साथ की गई। शिवाजी वार्ड स्थित मोक्षधाम में महाकाल लोक में भगवान भोले नाथ, संकट मोचन हनुमान जी, महाकाली की मूर्ति पिछले एक वर्ष में स्थापित की जा चुकी है। इस महाकाल लोक को देखने दूर दूर से भक्त गण यंहा आते है इसी कड़ी में अब गणेश भगवान की स्थापना प्राण प्रतिष्ठा समिति द्वारा की गई है। भगवान की पूजा अर्चना व गणेश उत्सव 15 सितंबर तक चलेगा एवं विशाल देवी जागरण और भंडारा प्रसादी के साथ समापन होगा।

सुखदेव पांसे नागपुर संसदीय क्षेत्र की सभी विधानसभाओं के चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त

बैतूल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा आगामी महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे को नागपुर संसदीय क्षेत्र

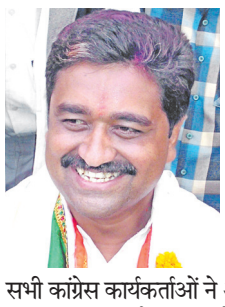

की सभी विधानसभाओं का चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री पांसे शीघ्र ही पुरे नागपुर संसदीय क्षेत्र में सभी विधानसभाओं का दौरा कर अपनी रिपोर्ट महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेशध्यक्ष तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नई दिल्ली को सौंपेगे। श्री पांसे की इस नियुक्ति पर क्षेत्र के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सुखदेव पांसे को बधाई प्रेषित की है जिनमें प्रमुख रूप से कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे, अरूण गोठी, समीर खान, रामू टेकाम, संजय यादव, कमल सोनी, हाजी शमीम खान, किशोर सिंह परिहार, डॉ. विजय देशमुख, जगदीश परिहार, नितेश साहू आदि शामिल है।

भौरा-बिजादेही रोड पर युवक का शव मिला, पत्थर से कुचलकर हत्या की आशंका

बैतूल/भौरा। ग्राम बानाबेहड़ा के खेत की पगडंडी पर शुक्रवार सुबह एक अज्ञात युवक का खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बुधनी निवासी 42 वर्षीय सुरेश पिता भैरो सिंह के रूप में हुई है, जो वर्तमान में ग्राम बानाबेहड़ा में अपनी मौसी लिमको लखीराम उईके के घर रह रहा था। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पत्थर से कुचलकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है।

पगडंडी से गुजरते वक्त दिखा शव

बानाबेहड़ा निवासी भुता धुर्वे जब सुबह अपने खेत जा रहा था, तभी पगडंडी पर उसे एक युवक का शव खून से सना हुआ दिखाई दिया। धुर्वे ने तत्काल ग्राम कोटवार को सूचना दी, जिसके बाद कोटवार ने ग्रामीणों के साथ मिलकर भौरा पुलिस चौकी को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त सुरेश के रूप में की, जो पिछले कुछ समय से बानाबेहड़ा में अपनी मौसी के घर रह रहा था।

शाम से था लापता, परिजनों ने नहीं जताई चिंता

पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में मृतक सुरेश की मौसी लिमको बाई ने बताया कि वह गुरुवार शाम 6 बजे से घर नहीं लौटा था। चूंकि सुरेश अक्सर इधर-उधर घूमता रहता था और कहीं भी खा-पी लेता था, इसलिए परिजनों ने उसकी गैरमौजूदगी पर चिंता नहीं जताई थी। सुरेश की पत्नी भोपाल में रहती है, जबकि उसकी ससुराल भौरा के माता मोहल्ले के पास है।

सुराग की तलाश में जुटी पुलिस, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

मौके पर पुलिस ने जंगल में भी सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस आसपास के गांवों में लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे के संभावित कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जिससे हत्या के समय और कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस इस हत्याकांड की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही इस मामले में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

बंटी वाड़िवा का आज मीडिया सेंटर में होगा सम्मान

बैतूल। जिले के छोटे से आसाढी गांव के आदिवासी युवक बंटी वाड़िवा ने कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) शो में 50 लाख रुपये जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद आज 8 सितंबर को बैतूल मीडिया सेंटर में उनका सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर बंटी वाड़िवा पत्रकारों से बातचीत करेंगे, उनके सवालों का जवाब देंगे और अपने अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हेमंत खंडेलवाल होंगे, जो बंटी को विशेष रूप से सम्मानित करेंगे। बंटी की इस जीत ने जिले के युवाओं को प्रेरणा दी है कि मेहनत और ज्ञान के बल पर बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

अहाते में तब्दील हो रही ऑडिटोरियम की दुकानें

बैतूल। नगर पालिका ने लाहोरी शेड में छत्रपति शिवाजी ऑडिटोरियम बनाया है। इस ऑडिटोरियम में पार्किंग स्थल के साथ-साथ 13 दुकानों का भी निर्माण किया गया है। 5 साल बाद भी नगर पालिका इन दुकानों के उपयोग को लेकर कोई निर्णय नहीं ले पाई है। यही कारण है कि लोगों के लिए यह स्थान मनोरंजन का स्थल बनता जा रहा है। इन दुकानों के आसपास पड़ी खाली शराब की बोतलों से लग रहा है कि अब यह पूरा स्थान अहाते में तब्दील हो रहा है।

2 करोड़ 25 लाख में बना था ऑडिटोरियम- लाहोरी शेड के विकास के लिए नगर पालिका ने ऑडिटोरियम बनाने की योजना बनाई थी। और इसे 2 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से बनाया गया। इसे बनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य था कि यहां पर सार्वजनिक आयोजन किए जाएंगे। और बेहतर रखरखाव किया जाएगा। यही कारण था कि ऑडिटोरियम में जो सीढ़ियां बनी है उसके पिछले हिस्से में खाली जगह होने से उसे दुकानों का स्वरूप दिया गया और उसके सामने के मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। दुकानें बनने के बाद इनके उपयोग को लेकर नगर पालिका ने कोई रुचि नहीं दिखाई जिसके कारण इन दुकानों की स्थिति खराब होती जा रही है।

आमदनी हो जाएगी शुरू- ऑडिटोरियम में बनी 13 दुकानें योजनाबद्ध तरीके से आवंटित

हो जाएं तो निश्चित तौर पर नगर पालिका को आमदनी होने लगेगी। और जो आय होगी उससे ऑडिटोरियम का भी अच्छा रखरखाव किया जा सकता है। हालांकि कुछ दिनों पहले यहां पर जैविक बाजार खोलने की योजना बनाई गई थी और कुछ दिन तक इसमें दुकानें भी लगी हैं। हालांकि इन दुकानों में अभी तक शटर नहीं लगाए गए हैं। जानकारी यह मिली है कि इन दुकानों में महिला हॉट बाजार या महिलाओं के व्यवसाय के लिए चौपाटी बनाई जानी है। लेकिन अभी तक नगर पालिका ने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं लिया है।

इनका कहना है

आगामी परिषद की बैठक में प्रस्ताव लिया जाएगा और जल्द ही इनकी नीलामी की जाएगी। क्योंकि यह जगह शहर के बीचोंबीच है, इसीलिए इन दुकानों का अच्छा उपयोग किया जा सकता है और एक छोटा सा मार्केट यहां बन सकता है।

- ओमपाल सिंह भदौरिया, सीएमओ, नगर पालिका बैतूल

साइबर क्राइम पर नहीं लग रहा अंकुश !

भोले-भाले लोगों को ठगने में ठग निकाल रहे नए तरीके

बैतूल। आम लोगों को ठगने के लिए साइबर क्राइम के माध्यम से ठग नए-नए तरीके निकाल रहे हैं। पहले एटीएम कार्ड बनाने के नाम पर ओटीपी मांग कर लोगों को ठगा जा रहा था। इसके बाद लोन देने के नाम पर भी ठगी की जा रही थी। अब ठगों ने एक नया तरीका निकाल लिया है। फोन करके बोला जाता है कि उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। और इसे निपटाना है तो उनके खाते में रुपए ट्रांसफर कर दें। आपराधिक प्रकरण बनने के नाम पर लोग डर जाते हैं और ठगों के खातों में रुपए ट्रांसफर कर देते हैं। साइबर क्राइम को रोकने के लिए कोई सख्त कानून नहीं बनने के कारण इस पर कोई रोक नहीं लग पा रही है।

इस नंबर से रहे सावधान- इन दिनों कुछ लोगों को 9899437424 नंबर से फोन आ रहा है और उनको बोला जा रहा है कि उनका क्रेडिट कार्ड का लोन जमा नहीं हुआ है और

उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर उसे दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया है। फोन करने वाला अपना अनुराग बताता है और लोगों को क्रेडिट कार्ड लोन नहीं जमा करने के नाम पर डराता, धमकाता है। इस फर्जी काल को लेकर बैंक के अधिकारियों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि लोन वसूली के लिए बैंक इस तरह का तरीका नहीं अपनाती है। यह सीधे तौर पर ठगी का मामला है।

बैंक से करें संपर्क- बैंक के लोन वसूली के नाम पर अगर किसी व्यक्ति को फोन आता है तो उसे अपने बैंक से या जिस बैंक का नाम लिया गया है उससे संपर्क करना चाहिए। बैंक के डिफाल्टर उपभोक्ताओं से वसूली के लिए जो नियम है उसमें पहले तो बैंक डिफाल्टर उपभोक्ताओं से सीधा संपर्क करती है इसके पश्चात उपभोक्ता के द्वारा राशि जमा नहीं करने पर उसे नोटिस दिया जाता है। और बंधक बनाई गई संपत्ति अन्यथा जिस गारंटी पर लोन लिया गया है इसको लेकर बैंक कानूनी कार्यवाही करता है। बैंक के अलावा इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए लोगों को सायबर सेल से भी संपर्क करना चाहिए।

सीएम चलवा रहे एयर एंबुलेंस, जिले भर में डॉक्टरों और एंबुलेंस की कमी

- **बिना इलाज के हो रही मौतें, ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही**
- **बालक की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मोहदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने शव के साथ किया विरोध प्रदर्शन**

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य में एयर एंबुलेंस सेवा चलवा रहे हैं ताकि गंभीर मरीजों को बड़े अस्पतालों तक जल्द पहुंचाया जा सके, लेकिन बैतूल जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्थिति इसके विपरीत है। यहां न तो मरीजों को समय पर डॉक्टर मिल पा रहे हैं और न ही एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध हो रही है। इस लापरवाही और कुप्रबंधन के कारण गंभीर मरीजों की जान तक जा रही है और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ध्वस्त होती नजर आ रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की यह बदतर स्थिति शनिवार को भीमपुर विकासखंड के ग्राम मोहदा में सामने आई, जहां रामदीन मावस्कर के 8 वर्षीय पुत्र संस्कार की मौत इलाज के अभाव में हो गई। संस्कार को अचानक सिरदर्द और बुखार की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे मोहदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। लेकिन वहां डॉक्टर की अनुपस्थिति में एएनएम ने प्राथमिक उपचार कर उसे भीमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया। परिजन ने 108 एंबुलेंस सेवा का सहारा लेने की कोशिश की, लेकिन एंबुलेंस न मिलने पर मजबूरन निजी साधन से भीमपुर अस्पताल पहुंचे। भीमपुर में उसे भर्ती कर इलाज शुरू किया गया, पर जब स्थिति बिगड़ने लगी, तो उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां भी 108 एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाई, और आखिरकार परिजनों को किराए का वाहन लेकर बैतूल जाना पड़ा। दुर्भाग्य से, बैतूल पहुंचने से पहले ही रास्ते में संस्कार ने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद शनिवार गांव के लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने मोहदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बीएमओ और तहसीलदार को मौके पर बुलाने की मांग की। भीमपुर के तहसीलदार एच.के. ओंकार और बीएमओ दीपक निगवाल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों का गुस्सा शांत नहीं हो सका।यह घटना न केवल बैतूल जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर करती है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करती है कि जब राज्य में एयर एंबुलेंस सेवाएं चलाई जा रही हैं, तो जमीनी स्तर पर इतनी बुनियादी सेवाएं क्यों नहीं मिल रही हैं।

ग्रामीणों को दी जा रही है पीएम जनमन योजना की जानकारी

रायसेन (निप्र)। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत शुक्रवार को सांची जनपद की ग्राम पंचायत बागोड के ग्राम बराईखास एवं बरौला में रैली निकालकर ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही कल्याणकारी और विकासमूलक कार्यक्रमों की भी जानकारी दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों और जरूरतमंदों को आधार, समग्र, जाति प्रमाण पत्र, खाद्यान्न पर्ची, उज्जवला गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, सुरक्षित मातृत्व अभियान, जनधन खाता, छात्रवृत्ति, वनाधिकार पट्टे, केसीसी कार्ड, सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

विदिशा (निप्र)। राजस्व महा अभियान के तहत ग्राम पंचायत खडेर में शिविर का आयोजन किया गया था उक्त शिविर में ग्राम के सचिव मोहर सिंह अहिरवार अनुपस्थित रहने पर उन्हें शोकॉज नोटिस दिया गया था जिसका जबाव समाधानकारक नहीं पाए जाने के फलस्वरूप जिला पंचायत के सीईओ द्वारा ग्राम के सचिव मोहर सिंह अहिरवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री अहिरवार का मुख्यालय नटेरन जनपद पंचायत कार्यालय नियत किया गया है। नियमानुसार निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। ग्राम पंचायत खडेर के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार ग्राम पंचायत सतपाडाहाट के सचिव श्री इस्ताक खॉन को सौंपा गया है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें

हरदा (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया ने निर्देश दिये कि इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होने कहा कि सूर्य घर योजना के प्रचार-प्रसार के लिये गांव-गांव में चौपाल लगाई जाएंगी। उन्होने महाप्रबन्धक विद्युत वितरण कम्पनी श्री अनूप सक्सेना को सूर्य घर बिजली योजना के प्रचार प्रसार के लिये एक प्रचार वाहन तैयार कराने के लिये कहा ताकि उसके माध्यम से गांवों व शहरों में प्रचार-प्रसार किया जा सके और अधिक से अधिक ग्रामीण इस योजना से लाभान्वित हो सके। सीईओ श्री सिसोनिया ने बैठक में विद्युत वितरण कम्पनी के महाप्रबन्धक को निर्देश दिये कि नागरिकों की आवश्यकता के हिसाब से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में सर्वे कराएं। उन्होने कहा कि पंचायतों में फ्लैक्स के माध्यम से व मुनादी कराकर इस योजना का प्रचार-प्रसार कराएं। बैठक में बताया गया कि जिले में इस योजना के तहत कुल 186 किलोवाट के 62 सोलर संयंत्र स्थापित किये जा चुके है। महाप्रबन्धक श्री सक्सेना ने बताया कि सूर्य घर योजना के तहत निजी मकानों के साथ-साथ शासकीय कार्यालय भवनों पर भी सोलर संयंत्र स्थापित किये जायेंगे। लीड बैंक प्रबन्धक ने बताया कि इस योजना के लिये बैंक से लोन भी दिया जा रहा है।

फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन 09 सितंबर सोमवार को जिला अस्पताल में होगा

नर्मदापुरम (निप्र)। सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 09 सितंबर 2024 सोमवार को जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में आयोजित किया जाएगा। कैंप अंतर्गत समस्त लाभार्थियों को फिजियोथेरेपी सेवाएं दी जाएगी। समस्त व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं परामर्श अस्थि रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सीय सेवाए, स्वास्थ्य संबंधी जन-जागरूकता एवं संवाद किया जायेगा। कैंप में समस्त व्यक्तियों के आभा कार्ड एवं पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे। निःशुल्क दवाइयाँ एवं जांचों की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओं जेसे सिविल अस्पताल/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर भी फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया जाएगा।

बिना स्टॉपेज सवारी उतार रही 6 बसें जप्त हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यो द्वारा तय निर्णय अनुसार तथा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान एवं यातायात डीएसपी श्री संतोष मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में जांच टीम द्वारा नर्मदापुरम शहर के विभिन्न मार्गो पर बिना स्टापेज रुककर सवारी उतार तथा बैठा रही बसों को जप्त किया गया। कुल 6 बसों को जप्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़ा करवाया गया। उक्त बसों पर चालानी तथा परमिट निरस्त की कार्यवाही की जाएगी। इस बड़ी कार्यवाही से सभी बस संचालकों में हड़कंप मच गया तथा सभी बसे निर्धारित स्थान से ही सवारी भरने लगी। सभी बसों को आरटीओ कार्यालय में जप्त कर खड़ा करवाया गया, जिन पर चालानी अथवा परमिट निरस्त की कार्यवाही की जा रही है। आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि बस संचालकों को पहले ही शहर में निर्धारित बस स्टापेज की जानकारी दे दी गई है, फिर भी बस चालक जगह जगह रुककर सवारी भर रहे है, जिससे आवागमन बाधित होता है तथा आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह परमिट शर्तो के उल्लघंन के अंतर्गत आता है, इस कारण सड़क सुरक्षा समिति के द्वारा निर्णय लिया गया है की कोई भी बस बिना स्टापेज रुककर सवारी नही भर सकती, ऐसा करते पाए जाने पर सख्ती के साथ कार्यवाही लगातार की जाएगी।

जिला समन्वयक पवन सहगल ने कक्षा संचालन के समय किया औचक निरीक्षण

सुबह सवेरे सोहागपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल ने आज सोहागपुर में कक्षा संचालन के दौरान औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्वदेश आचार्य जी उपस्थित थे। छात्रों का मार्गदर्शन करते जिला समन्वयक पवन सहगल ने समस्त छात्रों को पुस्तक वितरण की। वहीं आपने मेरा गांव मेरी प्रयोगशाला के बारे विस्तृत उद्बोधन दिया। स्वदेश आचार्य जी ने विशेष अभियान स्वस्थता अभियान की जानकारी देते कहा स्वस्थता सबसे जरूरी है। स्वयं के मानसिक स्वच्छता, व्यवहार में स्वच्छता लाना साथ ही हमारा उद्देश्य है। आपने आव्हान किया कि हमें आस पास के नागरिकों में स्वच्छता का भाव जगाना हैं। आपने घर, ग्राम, आपने वार्ड में साफ सफाई कराना। इसके पूर्व छात्रों ने शिक्षा दिवस मनाया गया। पूर्व छात्रों ने जिला समन्वयक पवन सहगल को उपहार देकर सम्मान किया। इसी क्रम में सभी छात्रों ने उपस्थित मेंटरो को भी शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं के साथ उपहार दिया। कार्यक्रम का आभार विकास खंड समन्वयक किशोर करोड़ोले ने किया कार्यक्रम मेंटर श्याम सिंह मीना, गजेंद्र ठाकुर, सचिन विश्वकर्मा, मेहरवान वेलवंशी, मंजू पवार आदि परामर्शदाता उपस्थित थे।

जीतू पटवारी के नेतृत्व में होगा इटारसी में प्रदर्शन, कांग्रेसियों की बैठक

सुबह सवेरे सोहागपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय जीतू पटवारी के नेतृत्व में 13 सितंबर को इटारसी में होगा विरोध प्रदर्शन।इस संबंध में आज वाटिका गार्डन में नगर एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटैल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष आलोक जायसवाल,नगर कांग्रेस अध्यक्ष

गजेंद्र चौधरी, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय एवं अभिलाषसिंह चंदेल, जालम सिंह पटेल, करनपुर सरपंच आजाद पटेल , वकील कार्तिक शर्मा,अर्पित तिवारी, वकील देवांशु शर्मा ,ऋषभ दीक्षित ,नीरज चौधरी, अशोक रघुवंशी,हरि पटेल, पूर्व पार्षद मोहन कहार, प्रतीक तिवारी, सचिन,श्रुति अंकित पटेल, सरपंच भटगांव सुधीर ठाकुर, चंदन बेलवंशी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस बैठक में विचार विमर्श किया गया कि हमें अधिक से अधिक संख्या में इटारसी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में होने वाले आन्दोलन में शामिल होने का संकल्प लिया गया।

जरावस्था स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। शासन द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के परिपालन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एचडब्ल्यूसी) में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ दिनेश अहिरवार ने बताया कि शिविर में वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों जैसे वात रोग, जोड़ों का दर्द (अर्थराइटिस), उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि का उचित चिकित्सा परामर्श दिया गया। आयुर्वेद होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सकों द्वारा वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच कर निशुल्क औषधियां वितरित की गईं। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार की जांच जैसे बीपी स्क्रीनिंग, थर्मल स्क्रीनिंग, ब्लड शुगर स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन स्क्रीनिंग आदि की गई। वृद्ध जनों के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु उनको केंद्र में उपस्थित पोस्टर, बैनर एवं प्रत्यक्ष रूप से जानकारी देकर उचित जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। योग चिकित्सा द्वारा होने वाली बीमारियां की रोकथाम एवं बचाव हेतु योगासन एवं औषधालय में बनाए गए हर्बल गार्डन में औषधि पौधों के महत्व भी बताए गए। शिविर के नोडल एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सौरभ विक्रम ने बताया कि शिविर में कुल लाभार्थियों की संख्या 1985 रही जिनमें पुरुष लाभार्थी 1087, महिला लाभार्थी 898 शामिल हैं।

नवोदय स्कूल प्रबंधन समिति की बैठक ली कलेक्टर श्री सिंह ने

हरदा (निप्र)। पीएम श्री नवोदय विद्यालय चारूवा की शाला प्रबन्धन समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होने विद्यालय की समस्याओं और उपलब्धियों की जानकारी प्राचार्य श्री पी.जी. कंटाले से ली। इस दौरान एसडीएम खिरकिया श्री संजीव नागू के अलावा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। प्राचार्य ने बताया कि गत शिक्षा सत्र में नवोदय स्कूल के कक्षा 12 वीं के तीन विद्यार्थी आईआईटी में तथा 3 विद्यार्थी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ''एम्स'' में अध्ययन के लिये चयनित हुए हैं।

साथ ही कला संकाय के विद्यार्थी दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन हेतु चयनित हुए है। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह को निर्देश दिये कि नवोदय स्कूल के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिये इस रविवार को स्कूल परिसर में ही स्वास्थ्य शिविर आयोजित करें। उन्होने एसडीएम व तहसीलदार को निर्देश दिये कि समय-समय पर जवाहर नवोदय स्कूल का दौरा कर यहां की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहयोग करें। प्राचार्य श्री कंटाले ने बताया कि कक्षा छटवी में प्रवेश की प्रक्रिया अभी जारी है। विद्यालय परिसर में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 54 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए है। इस वर्ष कम्प्यूटर क्लासेस विद्यालय में शुरू की गई है।

कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों से किया संवाद : स्कूल भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने कक्षा बारहवीं के विज्ञान संकाय और कला संकाय की कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। उन्होने विद्यार्थियों से स्कूल परिसर में आने वाली समस्याओं और पढ़ाई के स्तर के संबंध में पूछताछ की। उन्होने विद्यार्थियों को प्रेरणा दी कि इस वर्ष अच्छी मेहनत कर अपने मनवांछित कोर्स में प्रवेश के लिये तैयारी कर लें ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके।

नेत्रदान से नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन को मिलती है नई रौशनी : कलेक्टर श्री दुबे

नेत्रदान पखवाड़ा अंतर्गत जिला चिकित्सालय में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। नेत्रदान का राष्ट्रीय पखवाड़ा अंतर्गत आज जिला मुख्यालय रायसेन में नर्सिंग कॉलेज तथा विभिन्न स्कूलों की छात्राओं द्वारा नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता लाने रैली निकाली गई। जिला रेडक्रास सोसायटी के तत्वधान में आयोजित यह जागरूकता रैली शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल से प्रारंभ होकर जिला अस्पताल पहुंची। यहां आयोजित समापन कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने उपस्थित नागरिकों तथा छात्र-छात्राओं से कहा कि आँखे ईश्वर की सबसे बड़ी नियामत है। जो नेत्रहीन हैं, जिनके पास आँखे नहीं हैं, उनका जीवन बेहद कठिन होता है। शासन द्वारा नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिससे कि नागरिक नेत्रदान के लिए प्रेरित हों और नेत्रहीन व्यक्तियों के जीवन को नई रौशनी मिले।

सभी त्यौहार आनंद, उल्लास, आपसी सद्भाव एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं विसर्जन कुण्ड के आस-पास पर्याप्त बिजली एवं सुरक्षा का इंतजाम किया जाए

आगामी त्योहारों में जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो आगामी त्योहारों पर जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहें : कलेक्टर

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में आगामी त्योहारों, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में कानून व्यवस्था चाक चौबंद रहे तत्संबंध में में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा आगामी पर्वों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई एवं सुझाव दिए गए। कलेक्टर सोनिया मीना ने बैठक में कहा कि पूर्व की तरह जिले में आगामी पर्व भी शांतिपूर्ण एवं आपसी सद्भाव के साथ मनाया जाए। आपसी सौहार्द एवं भाईचारा ही हमारी परंपरा है।

कलेक्टर ने बैठक में त्योहारों पर चल समारोह, जुलूस आदि का शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन करने की बात कहीं। साथ ही पर्वो पर यातायात, पार्किंग, बिजली आदि की बेहतर व्यवस्थायें करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रहे। नियमों का उल्लंघन करने वाले बस एवं वाहनों पर चालानी कार्यवाही की जाए। कलेक्टसर ने सभी धर्मगुरुओं एवं आमजनों से कहा है कि आगामी पर्वों पर जुलूस, चल समारोह, रैली आदि का आयोजन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी के अनुमति के साथ ही किया जा सकेगा। उन्होनें बताया कि साथ ही साथ ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्धारित मानक मापदंडों के अनुरूप ही संचालन किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि स्नान दान व्रत पूर्णिमा, पितृ तर्पण आदि स्नान पर्वों के दौरान घाटों पर साफ सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लिए नगरपालिका नर्मदापुरम को निर्देशित किया गया है। घाटों पर होमगार्ड बल की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि उक्त परिप्रेक्ष्य में जिले के समस्तल अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं तहसीलदारों यथा नर्मदापुरम, इटारसी, सिवनी मालवा, सोहागपुर, पिपरिया पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए जाने के लिए अपने-अपने तहसीलों में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करे।

खिलाड़ियों को महारानी अहिल्याबाई होलकर की आकृति के मेडल प्रदान किए गए

सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर में 35वीं प्रांत स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न,किशोर वर्ग में भोपाल विजेता

सुबह सवेरे सोहागपुर

विद्या भारती प्रतिष्ठान के कार्यक्रम अनुसार सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर में तीन दिवसीय प्रांत स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का समापन समारोह नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटैल, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश खेल प्रमुख मनीष बाजपेई, विभाग समन्वयक रामकुमार व्यास, ब्लाक क्रीड़ा अधिकारी हेमराज नागा, जिला प्रतिनिधि नर्मदापुरम चन्द्रशेखर गढ़वाल एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति अध्यक्ष कन्नूलाल अग्रवाल के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष अभिषेक जैन, पूर्व उपाध्यक्ष एवं समिति सदस्य हीरालाल गोलानी, सचिव राजा भैया पटैल, कोषाध्यक्ष संजीव दुबे , समिति सदस्य अमित बिल्लौरे, प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ,नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटैल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथि परिचय जीवन दुबे ने किया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शिक्षा समिति उपाध्यक्ष अभिषेक जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य अशोक दुबे ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करके तालियों की गड़गड़ाहट के मध्य विजेता एवं उप-विजेता खिलाड़ियों को एक तरफ महारानी अहिल्याबाई होलकर तथा 35 वीं खो खो प्रतियोगिता की आकृति के सिल्वर एवं गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र अतिथियों ने प्रदान किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते ब्लाक क्रीड़ा अधिकारी हेमराज नागा ने कहा कि खिलाड़ी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए।इसके साथ हमें गुड हेल्थ

बनाना है। खेल के लिए शारीरिक अभ्यास आवश्यक होता है इसलिए खेलना नहीं छोड़ना चाहिए। अपना मनोबल बढ़ाकर रखना है । खेलों का प्रबंधन कठिन कार्य होता है। सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर में व्यवस्थित, अनुशासित खेल देखने को मिला ।यह अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय है। समिति अध्यक्ष कन्नुलाल अग्रवाल ने कहा हमें खेलों का सतत् अभ्यास करना चाहिए। हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

विजेता, उप-विजेता टीम

बाल वर्ग भैया विजेता नर्मदापुरम,उपविजेता ग्वालियर,
बाल वर्ग बहिन विजेता नर्मदापुरम उपविजेता भोपाल,
किशोर वर्ग भैया विजेता भोपाल,उपविजेता राजगढ ,
किशोर वर्ग बहिन विजेता भोपाल,उपविजेता नर्मदापुरम,
तरुण वर्ग भैया विजेता ग्वालियर ,उपविजेता राजगढ ,
तरुण वर्ग बहिन विजेता राजगढ,उपविजेता नर्मदापुरम

कार्यक्रम का संचालन अंजली मंडलोई ने किया। आभार प्रांतीय खेल प्रमुख मनीष बाजपेई ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के अन्त में अतिथियों ने खेल ध्वज अवतरण किया ।

संख्या- प्राचार्य अशोक दुबे ने बताया कि इस प्रांत स्तरीय खो खो प्रतियोगिता में विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों के करीबन 218 भैया बहनों ने अपनी सहभागिता निभाई। इसके साथ उनके आचार्य दीदियां की संख्या करीबन 50 थीं। इसके अलावा स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य एवं दीदियों ने तीन दिवसीय रात 10 बजे तक चलने वाली प्रतियोगिता में सहयोग दिया।

सराहनीय - छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के खेल प्रमुख मनीष बाजपेई ने इस प्रतिनिधि को बताया कि सोहागपुर सरस्वती शिशु मंदिर की आकृति उत्कृष्टता दर्शाती। तीन दिवसीय समिति प्रबंधन सराहनीय है।

उपस्थिति - इस अवसर खेल शिक्षक सौरभ तिवारी, देवेन्द्र उरहा,नीरज बाथरे, पंचम नागवंशी, निकिता कुशवाहा आचार्य , दीदियां प्रतिभागी भैया, बहनें उपस्थित थे ।

परीक्षाओं की तैयारी और अध्ययन के लिए मिलेगी पूरी सहायता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आकांक्षा योजना में प्रदेश के 5 नगरों में राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए कोचिंग की व्यवस्था

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर जनजातीय वर्ग से श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के पदासीन होने के साथ ही जनजातीय वर्ग के हित और सम्मान में ऐतिहासिक कार्य हो रहा है। मध्यप्रदेश में भी इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इस वर्ष बाबा महाकाल की सवारी में जनजातीय वर्ग के लोक कलाकारों को भी आमंत्रित किया गया। केंद्रीय जनजातीय मंत्री श्री दुर्गादास उईके स्वयं भी उज्जैन आकर प्रथम पूजा में शामिल हुए। इसके पूर्व तक मुख्यमंत्री अथवा अन्य विशिष्ट व्यक्ति को यह अवसर मिलता था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और विद्यार्थियों को शैक्षणिक प्रोत्साहन और तीर्थ-दर्शन योजना का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज खंडवा जिले के खालवा में आयोजित जनजातीय छात्र प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनजातीय वर्ग के हित में अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आकांक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेश के अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट, एम्स और क्लेट आदि के लिए नि:शुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन संभागों में आकांक्षा योजना के क्रियान्वयन की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। प्रदेश के 5 बड़े नगरों भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में योजना के अंतर्गत विद्यार्थी नि:शुल्क कोचिंग सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले के खालवा में जनजातीय वर्ग के होनहार विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह को संबोधित किया।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

गुस्से में भाजपा के दो सांसद

कहते हैं छत्तीसगढ़ के दो भाजपा सांसद इन दिनों कुछ मंत्रियों और भाजपा के पदाधिकारियों के रवैये से बड़े नाराज चल रहे हैं। चर्चा है कि पांच साल के वनवास के बाद भाजपा को सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाने वाले अब सांसद हैं। भाजपा हाईकमान ने नेताजी को कांग्रेस के एक कद्दावर नेता के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़वाया था, पर वे हार गए, लेकिन बाद में सांसदी का चुनाव जीत गए। केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह के लिए उनका नाम चर्चा में आया था, पर बात बनी नहीं। खबर है कि अब वक्त ऐसा आ गया है कि उनकी पार्टी के मंत्री ही उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। कहा जा रहा है कि कामकाज तो दूर, एक मंत्री ने उनका फोन उठाना बंद कर दिया।इससे सांसद जी में उबाल आ गया है। सांसद जी के गुस्से को कांग्रेस ने लपक लिया है। खबर है कि एक सांसद जी गुस्से में पार्टी के कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन छोड़कर चले गए। कहते हैं सांसद जी दीप प्रज्ज्वलन के लिए मोमबत्ती लेकर काफी देर तक खड़े रहे, उन्हें कनिष्ठ लोगों ने मौका नहीं दिया तो उनका पारा चढ़ गया। खबर है कि पहले उद्घाटन और शिलान्यास की पट्टिकाओं में मंत्रियों के नाम सांसदों के बाद लिखने की परंपरा थी। अब उलट हो चला है। सांसदों के लाल-पीला होने का एक कारण इसे भी बताया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भाजपा के 10 लोकसभा सांसद हैं। अब दो सांसदों का गुस्सा क्या रंग लाता है,देखते हैं ?

एक तीर से दो शिकार

चर्चा है कि 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता को डीजी जेल और सुधारात्मक सेवाएं बनाकर गृह विभाग ने एक तीर से दो शिकार कर दिया है। बताते हैं इस आदेश से हिमांशु गुप्ता पुलिस मुख्यालय से बाहर हो गए और संविदा वाले डीजी जेल राजेश मिश्रा के पर कट गए। राजेश मिश्रा अब राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के संचालक ही रह गए हैं। वैसे भी राजेश मिश्रा की संविदा अवधि चार महीने शेष रह गई है। डीजी जेल बनाए जाने से हिमांशु गुप्ता का पीएचक्यू से नाता टूट गया। अब तक वे पीएचक्यू में प्रशासन का काम देख रहे थे। हिमांशु गुप्ता के डीजी जेल बनने से पीएचक्यू में डीजी स्तर के अशोक जुनेजा ही रह गए हैं। सरकार ने कुछ महीने पहले ही दो आईपीएस अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता को विशेष पुलिस महानिदेशक बनाया था। दोनों डीजीपी की दौड़ में थे,पर कार्यकाल खत्म होने के बाद डीजीपी अशोक जुनेजा को छह माह की सेवावृद्धि मिल जाने से उन्हें अवसर नहीं मिल पाया। डीजीपी के दोनों दावेदारों को सरकार ने अभी पुलिस मुख्यालय से बाहर ही रखा है। अरुण देव गौतम डीजी होमगार्ड हैं।

जनता की दर्द भरी दास्ताँ

छत्तीसगढ़ में एक ऐसा लोकसभा क्षेत्र है, जहां 2019 से 2024 तक ऐसे व्यक्ति सांसद रहे, जिन्होंने भजन-कीर्तन में अपना समय बिताया और कहते हैं अब इस लोकसभा क्षेत्र की जनता को ऐसे प्रतिनिधि मिले हैं, जो नींबू काटने में समय काट रहे हैं। क्षेत्र की समस्याओं की जगह जनप्रतिनिधि के टाइम पास से जनता दुखी होने लगी है। कहते है इस लोकसभा क्षेत्र के सांसद ने अब तक न तो संसद में कोई भाषण दिया है और न ही कोई सवाल किया है। यहां तक कि क्षेत्र की समस्या को लेकर किसी मंत्री से भेंट-मुलाक़ात की है। वहीं पड़ोस के सांसद ने रेलवे की समस्या को लेकर मंत्री से मुलाक़ात कर चुके है। पड़ोस के सांसद की सक्रियता देखकर लोग अपने सांसद की उनसे तुलना करने लगे हैं। इस संसदीय क्षेत्र में चार जिले आते हैं। वैसे भी सांसद महोदय कुछ सौ वोटों के अंतर से ही जीते हैं और चुनाव परिणाम आयोग की निगरानी में है।

अमित कटारिया गए छुट्टी पर

कहते हैं 2004 बैच के आईएएस अमित कटारिया भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति से लौटकर छत्तीसगढ़ मंत्रालय में ज्वाइनिंग दे दी, लेकिन दो महीने के अवकाश पर चले गए हैं। अमित कटारिया लंबे समय से भारत सरकार में काम करने के बाद पिछले हफ्ते ही छत्तीसगढ़ लौटे। बताते हैं वे दिल्ली में ही रहना चाहते हैं, इस कारण मंत्रालय में ज्वाइनिंग देकर छुट्टी पर चले गए। माना जा रहा है अमित कटारिया दिल्ली में छत्तीसगढ़ के प्रमुख आवासीय आयुक्त बनने की कोशिश कर सकते हैं। खबर है कि यह पद अभी खाली है।

रजत कुमार की पोस्टिंग का इंतजार

2005 बैच के आईएएस रजत कुमार भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति से लौटकर छत्तीसगढ़ मंत्रालय में ज्वाइनिंग दे दी है। अब उन्हें पोस्टिंग का इंतजार है। माना जा रहा है 12 और 13 सितंबर को कलेक्टर -एसपी कांफ्रेंस के बाद कुछ अफसरों की पोस्टिंग में हेरफेर होगी। विष्णुदेव साय की सरकार में 2005 बैच के डायरेक्ट आईएएस अफसरों को अच्छे विभाग मिले हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि रजत कुमार को भी अच्छा विभाग मिलेगा। 2005 बैच के आईएएस मुकेश बंसल के पास अभी सामान्य प्रशासन के साथ वित्त और आर संगीता के पास आवास एवं पर्यावरण के साथ आबकारी विभाग भी है। इस बैच के आईएएस एस प्रकाश परिवहन आयुक्त एवं सचिव हैं, तो राजेश टोप्पो जल संसाधन विभाग के सचिव हैं। यह अलग बात है कि 2005 बैच के प्रमोटी आईएएस नीलम एक्का बिलासपुर के कमिश्नर पद से हटाए जाने के बाद अभी पोस्टिंग के इंतजार में हैं और टोपेश्वर वर्मा राजस्व मंडल में सचिव हैं।

अगले महीने आएंगे रोहित यादव

कहा जा रहा है कि 2002 बैच के आईएएस डॉ रोहित यादव अक्टूबर के पहले या दूसरे हफ्ते में छत्तीसगढ़ वापसी कर सकते हैं। डॉ. रोहित यादव अभी प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव हैं। राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार आने के बाद अब तक ऋचा शर्मा, अविनाश चंपावत, सोनमणि बोरा, मुकेश बंसल,अमित कटारिया और रजत कुमार केंद्र सरकार से छत्तीसगढ़ वापसी कर चुके हैं। अब छत्तीसगढ़ से केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले अफसरों का भी इंतजार हो रहा है। 2002 से लेकर 2007 तक कुछ आईएएस अफसर भारत सरकार में इम्पैनल हो चुके हैं। केंद्र सरकार से वापसी के कारण छत्तीसगढ़ में आईएएस अफसरों की भीड़ महसूस की जाने लगी है।

पीडब्ल्यूडी के आला अफसरों के प्रमोशन पर छाया कोहरा

कहते हैं राज्य में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंताओं को मुख्य अभियंता बनाने के मुद्दे पर कोहरा छा गया है। एसई से सीई के प्रमोशन के लिए 16 अगस्त को पीएससी ने डीपीसी की थी। बताते हैं अब तक डीपीसी की कार्यवाही विवरण बाहर नहीं आया है। इस बीच पांच साल के सीआर की जगह चार साल के सीआर का मूल्यांकन कर एसई से सीई बनाने का मुद्दा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंच गया। डीपीसी की कार्यवाही का विवरण सार्वजनिक न होने और प्रमोशन आदेश जारी न होने के कारण याचिका कोर्ट में नहीं टिकी, पर कोर्ट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2003 के अनुसार पांच साल के सीआर के आधार पर प्रमोशन को माना। अब देखते हैं आगे क्या होता है ?

नगरीय निकाय चुनाव तक रहेंगे दीपक बैज ?

चर्चा है कि नगरीय निकाय चुनाव तक दीपक बैज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने रहेंगे। नगरीय निकाय चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस हाईकमान कोई फैसला करेगा। दीपक बैज के नेतृत्व में विधानसभा और लोकसभा का चुनाव कांग्रेस यहाँ लड़ चुकी है। दोनों चुनाव में उसे मात खानी पड़ी और नुकसान उठाना पड़ा। अब देखते हैं नगरीय निकाय चुनाव में क्या होता है? कांग्रेस हाईकमान अभी हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में जुट गई है। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड का चुनाव आ जाएगा। दोनों राज्यों का चुनाव निपटने के बाद छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव का ढोल बजने की संभावना है।

साय सरकार पर हमलावर हुए महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत राज्य की विष्णुदेव साय सरकार पर हमलावर हुए हैं। महंत ने धान खरीदी में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस कानून-व्यवस्था पर सरकार को अब तक घेरती रही है। इस मुद्दे पर विधानसभा का घेराव भी किया था। अब कांग्रेस ने धान के मुद्दे को उछाला है। छत्तीसगढ़ में धान बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल धान के सहारे विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश की थी। इसमें भाजपा ने बाजी जीत ली। अब उसी धान पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरने की रणनीति बनाई है। अब देखते हैं क्या होता है?

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

महिला सशक्तिकरण के लिए
जागृति की मिसाल बनता
मध्यप्रदेश

1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹1574 करोड़ एवं
55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन
हितग्राहियों को ₹332.43 करोड़ का
अंतरण
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
द्वारा
तथा
विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण
9 सितम्बर, 2024 । अपराह्न 1:00 बजे
कृषि उपज मंडी बीना, जिला सागर, मध्यप्रदेश

अब तक लाड़ली बहना
योजना में ₹24,499 करोड़
राशि का अंतरण

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11062/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024